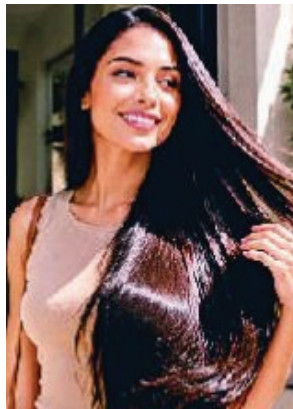




आमन लेखनी

स्त्री के स्वतंत्र-सशक्त अस्तित्व के समर्थक महात्मा गांधी

यूज करें ये होममेड हेयर पैक आपके बाल बनेंगे शाइनी-स्ट्रॉन्ग



वर्ष : 12

अंक : 274

लखनऊ, 30 सितम्बर, बुधवार 2026

पृष्ठ : 08

मूल्य : 2.00 रुपए

भाजपाध्यक्ष नवीन ने भाजपा प्रभारियों की बैठक में दी हिदायतें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पार्टी के पदाधिकारियों और मोर्चा प्रभारियों की करीब चार घंटे तक चली संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों और मोर्चा प्रभारियों को उनके प्रदेशों के हिसाब से अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। बैठक में सभी 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पदाधिकारी और प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में करीब 65 प्रभारी और सह-प्रभारी शामिल हुए। बैठक में नवीन की ओर से पदाधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि जिस प्रदेश की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वहां लगातार दौरे करें। व्यक्ति विशेष से ज्यादा पार्टी के हित और संगठन की नीति के अनुसार काम करने पर जोर दिया।

अब मथुरा में होगी बैठक

भाजपा 3 और 4 अक्टूबर को मथुरा में भी संगठन से जुड़ी एक बैठक की तैयारी कर रही है। इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होने की उम्मीद है।



संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें

नवीन ने पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारियों को संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और अपने-अपने राज्यों में अधिक समय देने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि राज्य की जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारी अपने क्षेत्र में रहकर संगठन के काम पर ध्यान केंद्रित करें और अनावश्यक रूप से दिल्ली के दौरे न करें।

बूथ स्तर तक बैठकें आयोजित करें और उसे मजबूत बनाएं

चुनावी राज्यों को लेकर भी संगठन ने पदाधिकारियों और प्रभारियों को लगातार दौरे करने के निर्देश दिए हैं। बूथ स्तर तक बैठकें लगातार आयोजित करने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया। युवाओं से संवाद बढ़ाने के लिए सभी 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पार्टी कार्यक्रम आयोजित करने तथा इन कार्यक्रमों का फीडबैक लगातार देने को कहा।

प्रभारियों की नियुक्ति के बाद पहली बैठक

दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत भी बैठक में मौजूद थीं। उन्होंने हरियाणा और छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी स्मृति ईरानी को सौंपी थी। तमिलनाडु और उत्तराखंड का प्रभार राम माधव को दिया गया था। नवीन ने अलग राज्यों में संगठन से जुड़ी बैठकें भी की हैं। यह नियुक्ति के बाद पहली बैठक थी।

सभी से लगातार संवाद करते रहें

प्रभारियों और सह-प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं से संवाद करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अब 3 महीने से कम का समय बचा है, ऐसे में पदाधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहने और कार्यकर्ताओं की बात सुनने को कहा गया है। बैठक में संगठन को मजबूत करने, चुनावों की तैयारियों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर चर्चा की।

खबर संक्षेप

सुशांत गोल्फ सिटी में हादसा, चालक की मौत

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में सुल्तानपुर रोड पर सोमवार देर रात डीसीएम और ट्रैलर की टक्कर हो गई। इस हादसे में डीसीएम चालक की मौत हो गई। यह घटना अहिमामऊ के संत नगर में सूर्या होटल के पास हुई। पुलिस को रात करीब 12:39 बजे यूपी-112 से सूचना मिली। पीआरवी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।



9 साल बाद फिर कांग्रेस में शामिल होंगे वाघेला!

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राज्य के राजनीतिक गलियारों से एक बहुत बड़ी खबर है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रजा शक्ति डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख शंकरसिंह वाघेला 9 साल बाद एक बार फिर कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने पुष्टि की है।

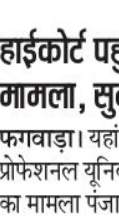


झांसी में हादसा: एक को बचाने के फेर में 5 डूबे

झांसी। जिले में मऊरानीपुर क्षेत्र के अंतर्गत देवरी सिंहपुरा गांव के पास सुखनई नदी में मंगलवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। ताऊ के श्राद्ध के बाद नदी में तिलांजलि देने गए एक ही परिवार के 5 लोग नदी के गहरे पानी में डूब गए। गोताखोरों की मदद से पांचों शवों को बाहर निकाला गया। डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।



हाईकोर्ट पहुंचा एलपीयू मामला, सुनवाई आज फगवाड़ा। यहां स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुई हिंसा का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गया है। विश्वविद्यालय परिसर में 27 सितंबर को हुई हिंसक घटना की सीबीआईसे जांच कराने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका एक छात्र ने दाखिल की है।



यवतमाल में डॉ. भागवत ने कहा विकास का उद्देश्य 'सभी का' कल्याण हो, असमानता न हो

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि विकास के केंद्र में समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण होना चाहिए और विकास के उच्चतम एवं निम्नतम स्तरों के बीच का अंतर कम से कम होना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि 'अंत्योदय' की अवधारणा का मूल अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि समाज का अंतिम व्यक्ति भी



अधिक से अधिक सुखी रहे। भागवत ने कहा कि देश सुखी हो, इसके लिए समाज के अंतिम व्यक्ति का सुखी होना आवश्यक है, इसी को अंत्योदय कहा जाता है। विकास का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर कोई एक ही स्तर पर पहुंच जाए, लेकिन असमानता को न्यूनतम किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने बच्चों से मुलाकात की बातें की, मिसाइलमैन की तरह सपने पूरे करने का दिया मंत्र

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नेशनल इंटीग्रेशन ट्रू के तहत सिक्किम के गंगटोक और अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित ल्हो गोम्पा के छात्रों के समूहों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने एक्स पर बच्चों के साथ मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं। दो जगहों से आए छात्र अपने 'राष्ट्रीय एकता दौरे' के दौरान राष्ट्रपति भवन गए थे और उन्हें राष्ट्रपति से बातचीत करने का मौका मिला। इस बातचीत से छात्रों को राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा के



दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का अवसर मिला। राष्ट्रपति ने भी पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की तरह ही सपने देखने और पूरा करने की नसीहत दी। राष्ट्रपति ने उन्हें बड़े सपने देखने, पूरे संकल्प के साथ अपने लक्ष्यों को पाने और देश की प्रगति व विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

एसआईआर पर रार के बीच ईरानी का कांग्रेस पर पलटवार

अवैध नाम हटाने का विरोध कर रही कांग्रेस क्या कर्नाटक, पंजाब व हिमाचल में सही था?

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज है। भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर चुनाव आयोग को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करता है और दुनिया के कई देशों में भारतीय लोकतंत्र की इस व्यवस्था का सम्मान किया जाता है। ईरानी ने कहा कि कांग्रेस को लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। पार्टी को अपनी चुनावी हार की समीक्षा करनी चाहिए, लेकिन वह चुनाव आयोग पर सवाल उठा रही है। ईरानी ने मतदाता सूची में डुप्लीकेट और मृत लोगों के नाम होने के मुद्दे पर भी कांग्रेस से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि अगर किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में 2 जगह दर्ज है या किसी मृत व्यक्ति का नाम अभी भी सूची में मौजूद है, तो कांग्रेस ऐसे नामों को हटाने का विरोध क्यों कर रही है? मतदाता सूची को सही और अपडेट रखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

कांग्रेस के आरोप निराधार

क्या मृत और 2 स्थानों पर दर्ज नाम न हटाए जाएं?



केरल और अन्य राज्यों में चुनाव आयोग सही रहा

ईरानी ने कांग्रेस से यह भी पूछा कि जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं है, वहां चुनाव आयोग की गतिविधियों को लेकर कांग्रेस का रुख क्या है? उन्होंने हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेस इन राज्यों में चुनाव आयोग को क्लीन चिट देती है या वहां भी आयोग के कामकाज पर सवाल उठाती है। यह स्पष्टीकरण भी दे।

आज जनता कांग्रेस का समर्थन नहीं करती

ईरानी ने कहा कि आज कांग्रेस के नेतृत्व ने कहा कि चुनाव आयोग को प्रश्नों के दायरे में लाने के लिए उनके कार्यकर्ताओं का महिमा मंडन उनकी व्यवस्था के माध्यम से हुआ। मैं कहना चाहती हूं कि चुनाव आयोग भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करता है। आज जनता कांग्रेस का समर्थन नहीं करती।

लाहौर अधिवेशन के हवाले पर भी कांग्रेस को घेरा

ईरानी ने कांग्रेस द्वारा लाहौर कांग्रेस अधिवेशन का हवाला दिए जाने पर भी निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास और उसके गठन को लेकर सवाल किए।

एसआईआर विवाद के बीच कांग्रेस के ही चिदंबरम ने सुनाई खरी-खरी

इससे चुनाव नतीजे मान लेना उचित नहीं, विजय सरकार इससे नहीं बनी



पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम का कहना है कि यह नहीं कहा जाता सकता कि तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके ने वोट चोरी की वजह से सरकार बनाई थी। तमिलनाडु के शिवगंगा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान चिदंबरम ने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में एसआईआर हुआ था। 13.30 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटे हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि बंगाल में तो एसआईआर से हटाए जाने वाले 22 लाख लोगों ने अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि बची हुई अपीलों पर इस गति से तो 15 सालों में फैसला हो सकेगा। इस अवधि में तो

अविधानसभा चुनाव होंगे और इतने ही लोकसभा इलेक्शन हो जाएंगे। लेकिन ये लोग किसी भी चुनाव में वोट नहीं डाल पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि टीवीके की जीत और डीएमके की हार सिर्फ वोट चोरी या मतदाता सूची में गड़बड़ी की वजह से हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इन गड़बड़ियों के आधार पर पूरे चुनाव नतीजे को तय मान लेना उचित नहीं है।

अविधानसभा चुनाव होंगे और इतने ही लोकसभा इलेक्शन हो जाएंगे। लेकिन ये लोग किसी भी चुनाव में वोट नहीं डाल पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि टीवीके की जीत और डीएमके की हार सिर्फ वोट चोरी या मतदाता सूची में गड़बड़ी की वजह से हुई। उन्होंने यह भी कहा कि इन गड़बड़ियों के आधार पर पूरे चुनाव नतीजे को तय मान लेना उचित नहीं है।

शिवराज ने रबी अभियान शुरू किया जलवायु-अनुकूल कृषि रोडमैप और 'जल बजट' पर दिया जोर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को दिल्ली में 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान 2026' का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुराने तरीकों की जगह डेटा-आधारित योजना और केंद्र-राज्य साझेदारी से ही खाद्य सुरक्षा तथा किसान आय के लक्ष्य पूरे होंगे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित बारिश और पानी की कमी जैसी चुनौतियों का उल्लेख किया। के. सुब्रमण्यम सभागार, पूसा में 2 दिनी सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने राज्यों से स्पष्ट तालमेल, वैज्ञानिक योजना और जमीनी निगरानी के साथ रबी सीजन की तैयारियां पूरी करने का आग्रह किया। उन्होंने 'जल बजट' को रबी तैयारियों का अहम पैरामीटर बताया। हर राज्य और जिले को उपलब्ध सिंचाई जल का आकलन करना होगा। जहां पानी कम है, वहां दलहन और तिलहन जैसी कम पानी मांगने वाली फसलों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बारिश औसत से कम हुई है।



महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे पर मेजी जाएगी केंद्र सरकार की टीम

शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे की स्थिति पर चिंता जताई। महाराष्ट्र में लगभग दो-तिहाई इलाका प्रभावित है और राज्य स्तर पर सूखा घोषित हो चुका है, जबकि कर्नाटक में भी स्थिति बनी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि 3 अक्टूबर को केंद्र की टीम कर्नाटक में जमीनी आकलन करेगी और महाराष्ट्र में भी टीम भेजी जाएगी। वे स्वयं भी इन राज्यों का दौरा करेंगे।

चर्चा और कार्ययोजनाओं पर करेंगे चर्चा

सम्मेलन के पहले दिन आत्मनिर्भरता व विविधीकरण, स्थिरता व जलवायु-अनुकूल कृषि तथा डिजिटल कृषि, बुनियादी ढांचा, वित्तपोषण व जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों पर समूह चर्चाएं कीं। 29 को सिंह की अध्यक्षता में राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श हुआ। इसमें मौसम पूर्वानुमान, उर्वरक उपलब्धता, डिजिटल कृषि मिशन, किसान रजिस्ट्री, दलहन व खाद्य तेल मिशन, पीएम धन-धान्य कृषि योजना, विपणन सुधार और एटीएमए-केवीके जैसी योजनाओं पर चर्चा की। सम्मेलन सत्र में रबी फसल उत्पादन बढ़ाने, किसानों को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन के लिए कार्ययोजना पर जोर दिया। सम्मेलन में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव अतीश चंद्रा, आईसीएआर महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी थे।

ईडी ने धनशोधन मामले में की बड़ी कार्रवाई

पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री इंद्रनील के 15 परिसरों पर की गई छापेमारी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दुर्गा पूजा के 'प्रीव्यू शो' आयोजित करने और पास बंचने में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन और दूसरे आरोपियों से जुड़े 15 ठिकानों पर छापे मारे। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी कोलकाता, आसपास के इलाकों में स्थित ठिकानों पर की गई। जांच का केंद्र महानिर्वाण रोड मास आर्ट सोसाइटी (मासआर्ट) रहा, जिसकी प्रमुख सैन की पत्नी हैं। यह संस्था आगंतुकों के लिए दुर्गा पूजा 'प्रीव्यू शो' आयोजित करती रही है। आरोप है कि 'प्रीव्यू' कार्यक्रमों और पास के जरिए भारी धनराशि एकत्र की गई। क्या इस धन का कोई हिस्सा निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया?

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मामले

हरियाणा, पंजाब में आमूषण दुकानों पर भी की मारा छापा

चंडीगढ़। ईडी ने हरियाणा सरकार से जुड़े बैंक खातों और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में खुलवाए गए खातों से कथित तौर पर 645 करोड़ के गबन से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत हरियाणा और पंजाब में कुछ आपूषण दुकानों के खिलाफ छापेमारी की। चंडीगढ़, पंजाब के मोहाली और हरियाणा के पंचकूला में करीब 14 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कथित तौर पर गबन किए गए सरकारी धन के दुरुपयोग की जांच की जा रही है।

बंथरा में ट्रक चालक की सद्विध मौत,

दवा खाने के बाद बिगड़ी हालत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक अंधेड़ ट्रक चालक की सद्विध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मध्य प्रदेश प्रान्त के सागर जिले में रहतगढ़ थाना अंतर्गत सीहोर निवासी कुंदन सिंह लोधी (50) ट्रक चालक था।वह भोपाल से अपने ट्रक में राजश्री मसाला लेकर गांव के ही रहने वाले क्लीनर महेंद्र सिंह लोधी के साथ लखनऊ आ रहा था।

मंगलवार सुबह करीब 9 बजे बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित आजाद गैरेज हाउस के पास गाड़ी खड़ी कर कुंदन ने अपनी शुगर बीमारी को दवा खाई। दवा खाने के बाद उसके अचानक तेज उल्टियां होने लगी। हालत अधिक बिगड़ती देख क्लीनर महेंद्र सिंह लोधी ने एंबुलेंस की मदद से उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने कुंदन को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी हेमलता के अलावा दो बेटी प्रियंका व रविता और बेटा बलराम है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

रेलवे कर्मचारी से प्रॉपर्टी डीलर पर जालसाजी का आरोप, केस दर्ज

प्लॉट सोदे में 9 लाख हड़पने का

आरोप, एग्रीमेंट में की कूटरचना

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में एक रेलवे कर्मचारी ने प्रॉपर्टी डीलर पर जालसाजी, कूटरचना कर एग्रीमेंट तैयार कराने, रुपये हड़पने और धमकाने का आरोप लगाया है।उसने इसकी शिकायत डीसीपी दक्षिणी से की। डीसीपी के आदेश पर बिजनौर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आलमबाग के बीजी कॉलोनी निवासी नीरज कुमार रेलवे में सरकारी कर्मचारी हैं। नीरज के मुताबिक अलीनगर सुहदरा स्थित 800 वर्गफुट के भूखंड को उन्होंने व्यक्तिगत लोन चुकाने के लिए बचने का निर्णय लिया था। उनका कहना है कि इसके लिए उनकी बातचीत प्रॉपर्टी डीलर उन्नाव के भपटामऊ निवासी नवनीत पटेल से हुई और सौदा 15 लाख रुपये में तय

कुरौनी में जमीन पर दौड़ रही 440 वोल्ट की लाइन, हादसे का इंतजार कर रहा बिजली विभाग

बंधरा : कुरौनी में 4 फीट पर लटके

बिजली के तार, ग्रामीणों की जान पर खतरा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के जैती खेड़ा विद्युत उपकेंद्र से जुड़े कुरौनी गांव में मौर्य आटा चक्की के पास रखे 250 केवीए ट्रांसफॉर्मर से गांव को जाने वाली 440 वोल्ट की विद्युत स्पलाई कई महीनों से जर्जर और खुले तारों के सहारे जमीन पर चल रही है। स्थिति यह है कि यह तार जमीन से बमुरिक्ल 4 - 5 फीट की ऊंचाई पर हंगिं। इससे ग्रामीणों के साथ-साथ मवेशियों की सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा बना हुआ है। बारिश के मौसम में स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत लाइन को जमीन से हटाकर खंभों के माध्यम से सुरक्षित तरीके से लगाने के लिए कई बार बिजली विभाग के जेई और एसडीओ से फोन के माध्यम से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक

काठमांडू में खिगड़ा मौसम, लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरी दो अंतरराष्ट्रीय उड़नें

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। नेपाल के काठमांडू में सोमवार सुबह अचानक खराब हुए मौसम का असर विमान सेवाओं पर पड़ा। मौसम खराब होने के कारण काठमांडू जाने वाली दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर डायवर्ट कर सुरक्षित उतारा गया। इसमें से एक विमान 6:27 बजे, जबकि दूसरा विमान 7:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक जजौर एयरवेज की उड़ान (जे91539) कुवेत से रात 10:15 बजे रवाना होकर सुबह करीब 6:30 बजे काठमांडू पहुंची है। लेकिन सोमवार सुबह काठमांडू का मौसम अचानक खराब हो जाने के कारण काठमांडू पहुंचे इस विमान को लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। विमान काफी देर तक त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के ऊपर

बेहता नाले में डूबने से किसान की मौत, आठ घंटे बाद मिला शव

चारा लेकर लौटते समय नाले के तेज बहाव में बहने की आशंका, एसडीआरएफ के पहुंचने से पहले गोताखोरों ने निकाला शव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के तरौना गांव में मंगलवार को मवेशियों के लिए चारा लेने गए 60 वर्षीय किसान कमलेश यादव की बेहता नाले में डूबने से मौत हो गई। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। नाले के किनारे उनकी चप्पल मिलने के बाद ग्रामीणों ने उनके बहाव में बह जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। करीब आठ घंटे की तलाश के बाद रात 11 बजे खेत से करीब 200 मीटर दूर नाले में कमलेश का शव मिला। परिजनों के मुताबिक कमलेश रोज की तरह दोपहर



करीब तीन बजे गांव से करीब 500 मीटर दूर स्थित अपने खेत में मवेशियों के लिए चारा लेने गए थे। शाम करीब घर बजे ग्रामीण राकेश यादव और उनके भतीजे राम मिलने ने उन्हें खेत से चारा काटकर लौटते हुए करीब 200 मीटर की दूरी से देखा था। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने आसपास तलाश की तो बेहता नाले के किनारे उनकी एक जोड़ी चप्पल पड़ी मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और

गोताखोरों की मदद से रात करीब नौ बजे तलाश शुरू कराई गई। अंधेरा और झाड़ियों के कारण ढूढ़ने में परेशानी आई। एसडीआरएफ टीम के पहुंचने से पहले ही गोताखोर विजय कश्यप, राम भरोसे, मुकेश कश्यप, राहुल, अमन और बाबू कश्यप ने तलाश करते हुए रात करीब 11 बजे कमलेश का शव बरामद कर लिया। ग्रामीणों के अनुसार इन दिनों बेहता नाला उफान पर है। इसके बावजूद आसपास के किसान रोजाना नाला पार

डाला चढ़ाकर मजदूर की हत्या का आरोप, तीन पर मुकदमा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के कसमंडी कला गांव में सोमवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर एक मजदूर के ऊपर छोटा हाथी डाला चढ़ाने का मामला सामने आया। गंभीर रूप से घायल मजदूर को परिजन बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने चालक समेत तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और पड्यंत्र समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर डाला कब्जे में ले लिया है।

चारपाई पर लेटे मजदूर के ऊपर चढ़ाया डाला

मृतक श्यामलाल (55) के बेटे मुकेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे उसके पिता घर के बाहर चारपाई पर लेटे थे। और पास पड़ोस कई लोग बैठे हुए थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव निवासी फरजान छोटा हाथी डाला लेकर वहां पहुंचा। कहासुनी के बाद



पुरानी रंजिश को लेकर उसने वाहन श्यामलाल के ऊपर चढ़ा दिया। गंभीर हालत में परिजन उन्हें बलरामपुर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पीछे बैक कर दोबारा डाला चढ़ाने का आरोप

मुकेश का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी ने वाहन को पीछे बैक किया और वहां मौजूद लोगों को भी कुचलने का प्रयास किया। हादसे में रुमन (30) पत्नी रामनरेश और रामनरेश की सात वर्षीय बेटी रितिका निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा दिए रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। मंगलवार तड़के करीब 5 बजे सचिन अपने घर से करीब 300 मीटर दूर रमेश के घर के बाहर उनकी दीवार के सहारे बैठी स्थिति में मृत मिला। सुबह रमेश अपने घर के बाहर निकले तो यह दृश्य देखकर उन्होंने इसकी सूचना सचिन के घर वालों को दी। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची बिजनौर पुलिस ने जांच पड़ताल की तो सचिन के दोनों पैरों के तलवे में विद्युत तारों की करंट से झूलसे होने के निशान मिले। उधर घटना की जानकारी पाकर एसीपी कृष्णा नगर अभिषेक पांडे ने भी मौके पर पहुंच कर निरीक्षण किया। वही फॉरेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल कर कुछ साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस मामले में मृतक

बिजनौर में ट्रैक्टर चालक की सद्विध मौत, दीवार के सहारे बैठी हालत में मिला शव

रहीमाबाद में 25 वर्षीय युवक की

मौत पर हत्या की आशंका, पैरों में करंट के निशान

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक ट्रैक्टर चालक युवक सद्विध हालत में अपने घर से करीब 300 मीटर दूर दूसरे घर के बाहर निकले तो यह दृश्य देखकर उन्होंने इसकी सूचना सचिन के घर वालों को दी। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची बिजनौर पुलिस ने जांच पड़ताल की तो सचिन के दोनों पैरों के तलवे में विद्युत तारों की करंट से झूलसे होने के निशान मिले। उधर घटना की जानकारी पाकर एसीपी कृष्णा नगर अभिषेक पांडे ने भी मौके पर पहुंच कर निरीक्षण किया। वही फॉरेंसिक टीम ने भी जांच पड़ताल कर कुछ साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस मामले में मृतक



वह ट्रैक्टर चलाता था। परिजनों के मुताबिक सचिन सोमवार शाम करीब 4 बजे घूमने जाने की बात कह कर घर से निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा दिए रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। मंगलवार तड़के करीब 5 बजे सचिन अपने घर से करीब 300 मीटर दूर



मृतक के परिजनों को कार्रवाई का भरोसा दिलाती एसडीएम

गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं माया देवी पत्नी अभिमन्यु और पीहू को भी चोटें आईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना से पहले धमकी देने का भी आरोप

तहरीर में मुकेश ने आरोप लगाया कि आरोपी ने घटना से पहले भी उसके पिता को वाहन चढ़ाने की धमकी दी थी। घटना के बाद फरजान और अकील अहमद की ओर से उसे और उसके परिवार को धमकाने का भी

बेहता नाला का पानी खेतों में घुसा, धान और दलहनी फसलें जलमग्न

रहीमाबाद फार्म, कैथुलिया मार्ग पर जलभराव से किसान परेशान, निकासी नहीं होने से फसलें बर्बाद होने का खतरा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लगातार हो रही बारिश और बेहता नाला का पानी वापस क्षेत्र की ओर आने से रहीमाबाद और आसपास के गांवों में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। रहीमाबाद फार्म, कैथुलिया, तरौना और शाहीखेड़ा समेत कई गांवों के खेतों में पानी भरने से धान और दलहनी फसलें जलमग्न हो गई हैं। खेतों में कई दिनों से पानी जमा होने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों को आशंका है कि जल्द जलनिकासी नहीं हुई तो खड़ी फसल सड़कर बर्बाद हो सकती है। रहीमाबाद कृषि फार्म तिलन द्वितीय के अंतर्गत आने वाले सैकड़ों हेक्टेयर क्षेत्र में धान और अन्य फसलें पानी में



कृषि फार्म में कई बीघा डूबी फसलें

डूबी हुई है। कई खेतों में दलहनी फसलों की स्थिति भी खराब है। लगातार बारिश के कारण खेतों में पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। किसानों का कहना है कि बारिश थमने के बाद भी खेतों से पानी नहीं निकल रहा है। ऐसे में फसल को बचाना मुश्किल होता जा रहा है।

बढ़ता जा रहा जलभराव का दायरा

बेहता नाला का पानी वापस आने और लगातार बारिश होने से जलभराव का दायरा बढ़ता जा रहा है। खेतों में

मिशन शक्ति 5.0 : सरोजनीनगर समेत तीन थानों में चला जागरूकता अभियान

गया। करीब साढ़े पांच घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

हिंदू संगठनों के पदाधिकारी भी पहुंचे

प्रदर्शन की सूचना पर अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी और लाखन आर्मी चीफ सूरज पासी भी मौके पर पहुंचे। शिशिर चतुर्वेदी ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं सूरज पासी ने पीड़ित परिवार को चार बीघा सरकारी जमीन का पट्टा और फरार आरोपियों को तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई।

सात सूत्री मांगों को लेकर दिया लिखित पत्र

ग्रामीणों और परिजनों ने एसडीएम मलिहाबाद के सामने सात सूत्री मांगें रखीं। इनमें फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, आरोपियों के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई, परिवार को चार बीघा सरकारी जमीन का पट्टा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, सुरक्षा के लिए शास्त्र लाइसेंस और घायलों को आर्थिक सहायता देने

मिशन शक्ति 5.0 : सरोजनीनगर समेत तीन थानों में चला जागरूकता अभियान

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत मंगलवार को सरोजनीनगर, बंथरा और बिजनौर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया।इस दौरान पुलिस टीमों ने महिलाओं, बच्चियों और बच्चों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। सरोजनीनगर पुलिस टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर का भ्रमण कर महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के संबंध में जागरूक किया। जिसमें महिला उपनिरीक्षक साधना शर्मा, महिला उपनिरीक्षक निर्देश राजपूत और महिला कांस्टेबल सुनीता यादव ने महिलाओं को 112, 108, 1098, 1076, 1090 और 181 सहित



अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंग बूथ, साइबर क्राइम और यूपी कॉप एफ के संबंध में बताया।उन्होंने साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए साइबर ठगी होने पर 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने के लिए जागरूक किया। वहीं बंथरा पुलिस टीम ने अम्बरपुर में भ्रमण कर महिलाओं और बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक सीमा सिंह, उपनिरीक्षक सुरेश कुमार और महिला कांस्टेबल सावित्री देवी ने महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

हाईवे पर खड़े डंपर से टकराई थी दरोगा की कार, बेटे ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों कानपुर हाईवे पर हुई कार सवार दरोगा की मौत के मामले में उसके बेटे ने डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसका कहना है कि उसके पिता सत्येंद्र सिंह कार से ड्यूटी पर जा रहे थे। तभी दरोगा खेड़ा स्थित चन्द्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी के पास आगे जा रहे डंपर के चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए अचानक बिना कोई संकेत दिए अपने डम्पर को ब्रेक मार कर बाएं तरफ मोड़ कर रोक दिया। जिसके कारण पीछे से आ रहे उनके पिता की कार अचानक डंपर से टकरा गई और उनकी मौत हो गई। फिलहाल मृतक दरोगा के बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।



गोबर डालने को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार
सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र के ग्राम अमानखेड़ा मजरा पुरीना में गोबर डालने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष से भी प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पहले पक्ष से पुरीना निवासिनी पहले पक्ष की प्रेमा देवी पत्नी यशपाल ने आरोप लगाया था कि 22 सितंबर सुबह जब वह जानवर बांधने जा रही थीं, तो पहले से घात लगाकर छत पर बैठे राममोहन, बलवन्त उर्फ शिवप्रताप, शांती देवी और अरविन्द आदि ने उनके ऊपर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। जबकि दूसरे पक्ष शांति देवी ने आरोप लगाते हुए बताया था कि उसी दिन जब वह घर से गोबर डालने बाहर जा रही थीं तब गांव के ही विजय पाल पुत्र महादेव, प्रेमा देवी पत्नी यशपाल और प्रीती पत्नी विजय पाल ने गोबर न डालने की बात पर गाली-गलौज शुरू कर लाटी-डंडों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी।

प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों का भारी दोहन, इलाज के नाम पर लूट का खेल

अमन लेखनी समाचार
बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों की जेब पर किस तरह डाका डाला जा रहा है, इसकी बानगी यहाँ के प्राइवेट अस्पतालों में साफ देखी जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते बांगरमऊ क्षेत्र में अवैध और अनियंत्रित प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम और पैथोलॉजी सेंटरों का जाल फैलता जा रहा है, जहाँ मजबूरी में इलाज करने में मरीजों को भर्ती करने के बाद जेनरिक और बेहद सामान्य क्वालिटी की सस्ती दवाइयां दी जाती हैं, लेकिन जब इलाज के बाद बिल थमाया जाता है, तो उसमें कीर्तित कई गुना बढ़ाकर लिखी जाती हैं। मरीजों को ब्रांडेड और महंगी दवाओं के नाम पर फर्जी और लंबी-चौड़ी पर्चियां थमा दी जाती हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज के दलदल में फंस जाते हैं। मरीज के अस्पताल की चौखट पर कदम रखते ही उसे बाहर की खास पैथोलॉजी से खून, पेशाब और अन्य तमाम तरह की जांच कराने का दबाव बनाया जाता है। इन जांचों और दवाइयों के पर्चों पर डॉक्टरों का फिक्स कमीशन सेट रहता है। तीमारदारों को इस बात का भान भी नहीं होता कि जिस बीमारी के इलाज के लिए वे अपनी गाड़ी कमाई लुटा रहे हैं, उसमें बड़ा हिस्सा इन अस्पतालों और डॉक्टरों की कमीशनखोरी की भेंट चढ़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बांगरमऊ क्षेत्र में नियमों



को ताक पर रखकर संचालित हो रहे इन प्राइवेट अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग की कोई ठोस नजर नहीं है। समय-समय पर औचक निरीक्षण न होने के कारण इन नर्सिंग होम क्षेत्र के सभी प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग जनता और प्रबुद्ध नागरिकों ने जिला प्रशासन तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांग की है कि बांगरमऊ क्षेत्र के सभी प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम और जांच केंद्रों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि गरीब मरीजों के हो रहे इस भारी दोहन को रोका जा सके और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जा सके।

सैकड़ों किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट को दिया शिकायत पत्र

अमन लेखनी समाचार
उन्नाव। सदर तहसील के सराय कटियान गांव के एक सैकड़ा से अधिक किसान मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह को शिकायती पत्र दिया है। जिसमें बताया कि उनकी भूमि औद्योगिक गलियारा फेस टू में अधिग्रहण की जा रही है। (जिन किसानों के द्वारा भूमि का बैनामा किया जा चुका है। उनका पैसा उनके खाते में नहीं पहुंचा है। किसानों का आरोप है। कि तहसील से पत्रावली भूमिध्यापित कार्यालय में भेजी जाती है। जिसमें भूमिध्यापत कार्यालय में मौजूद कर्मचारीयों के द्वारा कोई न कोई कमी निकाल कर जांच के लिए तहसील कार्यालय भेज दी जाती है। किसानों का कहना है। कि

अज्ञात वाहन की टक्कर से नंदी घायल, राष्ट्रीय बजरंग दल ने कराया उपचार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ब्लॉक मियागंज क्षेत्र के रसूलाबाद के पास ग्राम महमूदपुर स्थित नहर की पुलिया पर अज्ञात वाहन की टक्कर से नंदी घायल हो ग। हादसे में नंदी के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय बजरंग दल हिंदू के मियागंज ब्लॉक अध्यक्ष विकास राजपूत अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल नंदी को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क किया। सूचना मिलने पर पशु चिकित्सालय के चिकित्सक मौके पर पहुंचे और घायल नंदी का उपचार शुरू किया। धूप से बचाने के लिए कार्यकर्ताओं ने नंदी को नीम के पेड़ के नीचे छाया में पहुंचाया। साथ ही उनके



लिए चारा और पानी की भी व्यवस्था की गई। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विकास राजपूत मौके पर मौजूद रहे और घायल नंदी को देखरेख करते हुए उपचार में सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने भी घायल नंदी की मदद के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

बारिश में गिरा गरीब का आशियाना, खुले में रहने को मजबूर



सिंह, अत्यंत गरीब परिवार से है, और वर्षों से कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ रह रही थीं, पात्र होने के बावजूद उसे अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना / मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया था। वहीं इसी गांव की ही बबीता देवी पत्नी छेदीलाल, का आरोप है कि, आवास के लिए पिछले कई वर्षों से भटक रही

हैं, परंतु आज तक आवाज नहीं मिल पाया है, परिवार के साथ छप्पर के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर है, दोनों परिवार आवास के पात्र होने के बाद भी इस योजना से वंचित है, हालांकि दोनों परिवारों को प्रशासन की तरफ से, आशवासन के सिवा कुछ नहीं मिला है, पीड़ित दोनों परिवारों का कहना है, कि पिछले 5 वर्षों से प्रधान द्वारा

आशवासन दिया जा रहा था, कि तुमको जल्द ही आवास दिलाया जाएगा, परंतु जो कच्चे मकान थे, वह भी बारिश में गिर गए हैं, ऐसे में जीवन यापन करना किसी चुनौती से कम नहीं है, वही रानी, और बबीता, के अनुसार, प्रशासन और उनके अधिकारियों से भरोसा अब उठ चुका है, ग्राम विकास अधिकारी आकाश वर्मा ने बताया कि, मामला जानकारी में नहीं है, अगर पहले सर्वे हुआ होगा, तो आवास अवश्य मिलेगा, अगर सर्वे नहीं हुआ है, तो जल्द सर्वे करवा कर आवास दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा, और आवास करने की क्षमता के तहत लाभ दिलाया जाएगा। वहीं राजस्व लेखपाल सत्येंद्र त्रिपाठी ने बताया कि, गिरे हुए मकानो का सर्वे करने गांव गया था, आपदा राहत के तहत मदद के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। जल्द पीड़ित परिवारों को मदद दिलाई जाएगी।

छेड़छड़, दुष्कर्म व मकान पर अवैध कब्जे का आरोप: कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। न्यायालय ने धारा 173 (4) बी.एन.एस.एस. के तहत दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए थाना बीघापुर पुलिस को आरोपी विनय कनौजिया एवं उसके परिजनों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार विवेचना करने का कड़ा आदेश दिया है। पीड़िता (प्रार्थिनी) द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार, उसका पति शादी के पहले से ही पंजाब के पटियाला में रहकर काम करते हैं। महिला अपने बच्चों के साथ बीघापुर स्थित अपने ससुराल के पुत्सैनी मकान में रहती थी। महिला का आरोप है कि वर्ष 2018 की घटना: जेठ विनय कनौजिया ने महिला के साथ गलत संबंध बनाने का प्रयास किया। विरोध करने पर मारपीट की गई। पुलिस में शिकायत के बाद पारिवारिक बदनामी और जिठाती (सुशीला) के निवेदन पर सुलह कर ली गई थी, जिसमें तय हुआ था कि विनय पीड़िता के पास या

उसके मकान में नहीं आएगा।वर्ष 2022 होली के समय आरोपी विनय महिला के घर में घुसा और छेड़छाड़ की। धमकी देने पर उसने मीट काटने वाले चाकू की नोक पर महिला के साथ जबरदस्ती दुकर्म किया और मोबाइल में वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने तथा बच्चों की हत्या की धमकी देकर वह लगातार उत्पीड़न करता रहा। डर के मारे पीड़िता घर में ताला लगाकर अपने पति के पास पटियाला चली गईं। 23 अप्रेल 2026 को, महिला जब पटियाला से वापस लौटी, तो देखा कि उसके घर का ताला टूटा हुआ था और उसमें कुछ अन्य लोग रह रहे थे। घर का सारा सामान, अलमारी और जेवर गायब थे। किएाएदारों से पूछने पर पता चला कि मकान विनय ने उन्हे किएाए पर दिया है। जानलेवा हमला और मारपीट वापसी की सूचना मिलते ही आरोपी विनय अपनी पत्नी सुशीला, बेटे विनोत और बेटी वैशाली के साथ पहुँचा। आरोपी ने महिला की गर्दन धमकाकर रखकर जान से मारने की धमकी दी, जबकि परिजनों ने

महिला को बालों से पकड़कर जमीन पर गिराया और लात-घुंसों से पीटा। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी विनय कनौजिया 'जन कल्याण शिक्षा प्रचार समिति' नामक एनजीओ की आड़ में वन विभाग की सरकारी जमीन पर कब्जा किए हुए है। इसके अलावा हॉस्टल के कमरों को किएाए पर उठाने तथा अवैध बूचड़खाना चलाने का भी आरोप लगाया गया है। थाने जाने के बावजूद थानाध्यक्ष ने केवल आशवासन दिया और प्राथमिकी (ऋकफ) दर्ज नहीं की। पुलिस अधीक्षक उन्नाव को पंजीकृत डाक व व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना पत्र देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले की गंभीरता और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने थानाध्यक्ष/प्रभारी निरीक्षक बीघापुर को विधि सम्मत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट (पंजीकृत कर तत्काल विवेचना प्रारंभ करने के आदेश जारी किए हैं।

कटखने बंदर को टीम ने पकड़ कर छोड़ा पक्षी बिहार

अमन लेखनी समाचार
उन्नाव। असोहा विकास खण्ड के पाटकपुर ग्राम प्रधान ने टीम बुलाकर कटखना बन्दर पकड़वाया कल दिन सोमवार शाम 3 बजे से शाम 7 बजे तक चले अभियान में कल्ली माती से बिक्रम सिंह की टीमने कटखना बन्दर को पकड़ कर नवाबगंज पक्षी विहार में छोड़ा गया बीते एक महीने में कटखने बन्दर ने गाँव के करीब एक दर्जन लोगों को काटा गाँव वाले एक महीने से दहशत में जी रहे थे आज ग्राम प्रधान चमन सिंह ने कल्ली माती से टीम बुलाकर गाँव वालों की मदत से

सई नदी का जलस्तर बढ़ने से घरों व दुकानों में घुसा पानी

अमन लेखनी समाचार
हसनगंज, उन्नाव। लगातार बढ़ रहे सई नदी के जलस्तर से घरों और दुकानों में पानी भर गया है। जिससे दुकानों में भरा सामान बर्बाद हो गया है। वही घरों में पानी भरने से ग्रामीण दूसरे स्थान पर रहने को मजबूर हैं। सई के जलस्तर से मोहान रसूलपुर बकिया, अहमदपुर टकटोली, बिचपरी गावों के कुछ हिस्सों में बने घरों वा दुकानों में बीती रात अचानक पानी भर गया



के हाथों में है। उन्होंने कहा हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा स्वस्थ रहे, उसे पीष्टिक आहार मिले और उसकी शिक्षा एवं विकास की मजबूत नींव रखी जाए। साथ ही गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। माँ का

स्वस्थ होना बहुत जरूरी है क्योंकि जब तक माँ स्वस्थ नहीं होगी तो बच्चा कैसे स्वस्थ होगा।बच्चे का सही पोषण ही उसके विकास की मजबूत नींव है। इस अवसर पर सीडीपीओ, मुख्य सेविका, प्रधान प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह, अरुण द्विवेदी, विमल शुक्ला व आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री मौजूद रही।

बाढ़ जैसे बने हालत सैकड़ों बीघा फसल हुई जलमग्न

अमन लेखनी समाचार
बांगरमऊ, उन्नाव। लगातार बढ़ते जलस्तर से कल्याणी नदी के आसपास इलाके में बाढ़ जैसे हालात बने हुए है सैकड़ो बीघा खेती जलमग्न होने के साथ ही अनेक रास्तों पर पानी भरा हुआ है जिससे आवागमन प्रभावित है। बाढ़ के कारण क्षेत्र में धीरे धीरे स्थित गम्भीर होती जा रही है। ज्ञात हो कल्याणी नदी के बढ़ते जलस्तर से किनारे बसे गांव शिवलाल पुरवा, छोड़ा पुरवा,चिंगर पुरवा, ककरिहा पुरवा ,लहरापुर, कुशराज पुर,लोनारी,देवरिया, एकडला,दरियापुर, छतरा पुर,कोलिया,हसनपुर सगौड़ा, नदी पुरवा, खार पुरवा, अहिरन पुरवा,देवखरी,भिलोंई, पंचू पुरवा, डहन आदि सहित कई गांवों के आसपास

मेला देख रहे युवक की बाइक चोरों ने किया पार

अमन लेखनी समाचार
सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के दर्शनखेड़ा गौरा निवासी कुलदीप पुत्र राजपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 सितंबर दिन बुधवार की रात वह लंगड़ाखेड़ा गांव में आयोजित 'जल बिहार' मेले में आर्केस्ट्रा देखने गया हुआ था। उसने अपनी काले रंग की हरोर बाइक को थोड़ी दूरी पर खड़ा किया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह वापस लौटा तो बाइक वहां गायब मिली। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसकी बाइक का कोई पता नहीं चला।

कटखने बंदर को टीम ने पकड़ कर छोड़ा पक्षी बिहार



कटखना बन्दर पकड़वाया बन्दर पकड़ने में कॉफी मसकद के बाद लगभग 5 घण्टे लगे तब जाकर दो कटखने बन्दर पकड़ में आये गाँव के पकड़वाने वाले लोगो मे । राजेश अग्निहोत्री, सुभाष रावत ,सुखदेव द्विवेदी,लाला रावत, मंगल

प्रजापति,सतीश, सुरेन्द्र रावत, महेन्द्र कोटेदार, सतीश रावत,लाला प्रजापति, छोटे प्रजापति, मौनू शुक्ला,शाशांक तिवारी,निर्भय तिवारी, सजीवन,पुती रावत सहित करीब एक सैकड़ा लोग मजबूद रहे

अमन लेखनी समाचार



है जिससे दुकानो में रखा सामना बर्बाद हो गया। वहीं ग्रामीण घर से गृहस्थी का सामना सुरक्षित जगह पर रख रहे है।एसडीएम शालिनी तोमर ने बताया कि बीते दिनों हुई बारिश से सई नदी

का जलस्तर बढ़ा है। जिससे निचले हिस्सों में बने घर दुकानों में पानी जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पानी वाले स्थान पर न जाने की अपील की गई है।

धान खरीद केंद्र पुनः चालू करने की विधायक से लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार
सुमेरपुर, उन्नाव। भारतीय किसान क्रांति यूनियन (किसान क्रांति सरकार) के प्रदेश महासचिव डॉ. बुजेंद्र प्रताप सिंह राजू ने भगवंत नगर विधायक आशुतोष शुक्ला को ज्ञापन सौंपकर धान खरीद केन्द्र भगवंत नगर को पुनः चालू करने तथा पिछले 7 वर्षों से बंद पड़ी उपमंडी बीघापुर में धान खरीद हेतु कांटा लगवाने की मांग की। मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विधायक आशुतोष शुक्ला ने जिलाधिकारी उन्नाव से फोन पर वार्ता की और पत्र भेजकर समाधान करवाने के लिए कहा। डीएम उन्नाव ने आशवासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर भगवंत नगर और बीघापुर उपमंडी में धान खरीद केंद्र चालू कर दिए जाएंगे। इस

पहल से क्षेत्रीय किसानों को मंडी पुरवा जाने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर जिला संरक्षक



औमकार नाथ शुक्ला, ज्ञानसिंह, शंभू सिंह, मुकेश सिंह, कुलदीप सिंह और प्रदेश मीडिया प्रभारी कुन्नी त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए फिर अग्निपरीक्षा

शेयर बाजार की गिरावट को सिर्फ निवेशकों को घटती संपत्ति के आंकड़े से नहीं समझा जाना चाहिए। यह वैश्विक राजनीति और घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच बढ़ते संबंध की चेतावनी भी है। अमेरिका-ईरान में जल्द डील के आसार नहीं दिख रहे हैं, इससे तनाव बना हुआ है। वहीं, रूस-यूक्रेन के बीच तनाव भी बढ़ने लगा है। वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने एक बार फिर बाहरी झटकों से निपटने की चुनौती बनी हुई है। सोमवार को संसेक्स 1124 अंक यानी 1.52 प्रतिशत गिरकर 72,772 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360 अंक यानी 1.56 प्रतिशत टूटकर 22,780 पर आ गया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। लगातार आठवें सप्ताह बाजार में कमजोरी बताती है कि निवेशकों की चिंता किसी एक कंपनी या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगा तेल और विदेशी पूंजी के रुख में बदलाव बाजार की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता कच्चे तेल की बढ़ती कीमत है। देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर तेल आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। परिवहन, लॉजिस्टिक्स और उत्पादन लागत बढ़ने से कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। इसका असर महंगाई और आम उपभोक्ता की जेब पर भी पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है। दूसरी तरफ, अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से वहां निवेश का आकर्षण बढ़ता है। ऐसे माहौल में विदेशी निवेशक उभरते बाजारों से पैसा निकाल सकते हैं। भारत में विदेशी पूंजी की निकासी बाजार पर अतिरिक्त दबाव डालती है। हालांकि शेयर बाजार में गिरावट को देखकर घबराहट में निर्णय लेना भी उचित नहीं है। बाजार की दैनिक गिरावट और किसी निवेश की दीर्घकालीन स्थिति अलग-अलग विषय हैं। निवेशकों को अपने जेडिथम और निवेश अवधि के अनुसार ही निर्णय लेना चाहिए। इसी बीच सेने और चांदी की कीमतों में भी 28 सितंबर को गिरावट दर्ज हुई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोना 10 ग्राम पर 4133 रुपये गिरकर 1.48 लाख रुपये पर आ गया, जबकि चांदी 9297 रुपये सस्ती होकर 2.23 लाख रुपये प्रति किलो रह गई। सही महीने सोने की कीमत करीब 8 हजार और चांदी की कीमत करीब 14 हजार रुपये कम हुई है। कीमती धातुओं में यह उतार-चढ़ाव भी वैश्विक बाजार की बदलती धारणा को दर्शाता है। हालांकि बाजार की हर गिरावट को आर्थिक संकट का संकेत मानना भी सही नहीं होगा। उतार-चढ़ाव शेयर बाजार की प्रकृति है, लेकिन लगातार कमजोरी निवेशकों और नीति निर्माताओं के लिए सावधानी का संकेत जरूर है। सरकार के सामने सबसे बड़ी जरूरत अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से सुरक्षित करने की है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करना, वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देना, महंगाई पर नियंत्रण बनाए रखना, घरेलू निवेश मजबूत करना और घरेलू पूंजी आधार को व्यापक बनाना जरूरी है। भारत की आर्थिक बुनियाद जितनी मजबूत होगी, वैश्विक संकटों का असर उतना ही सीमित किया जा सकेगा। शेयर बाजार, कच्चे तेल और सोने-चांदी की कीमतों में हो रही हलचल को अलग-अलग घटनाओं के बजाय व्यापक आर्थिक परिदृश्य में देखना होगा। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों, महंगाई, पूंजी प्रवाह और विकास की बुनियाद को लगातार मजबूत करना होगा। यही इस समय अर्थव्यवस्था के लिए फिर अग्निपरीक्षा है।

खेल

सैखोम मीराबाई चानू



भारतीय कोचों पर मेरा मरोसा और मजबूत हुआ

ए शियाई खेलों में पदक जीतने का अधूरा सपना आखिरकार पूरा हो गया है। यह वह पदक था, जिसकी मुझे सपना से चाहत थी और जापान के आइची-नागोया में आखिरकार वर्षों का इंतजार खत्म हुआ। जापान मेरे लिए हमेशा भाग्यशाली रहा है। टोक्यो 2020 ओलिंपिक में मैंने रजत पदक जीता था और जापान ने एक बार फिर यह सुनिश्चित किया कि मुझे खाली हाथ वापस न लौटना पड़े। एक खिलाड़ी का जीवन परिपक्व और प्रतिक्रिया का जीवन होता है। एशियाई खेलों ने मुझे जीवन में बहुत कुछ सिखाया है। सबसे बड़ा सबक था दृढ़ संकल्प का। जब भी किसी गंभीर चोट ने मेरे करियर को पटरी से उतारने की कोशिश की, तब हार न मानने का मेरा जज्बा और मजबूत हुआ। आइची-नागोया में मैं अपनी फिटनेस के शिखर पर थी। इसके लिए मुझे अपने कोच, ट्रेनर और फिजियो का आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने मुझे बहुत अच्छी तैयारी कराई। भारतीय बनाम विदेशी कोच की बहस हमेशा चर्चा का गर्म विषय रहती है। भारत में कई ओलिंपिक खेलों में विदेशी कोच हैं। मुक्केबाजी और कुश्ती जैसे ताकत और शारीरिक क्षमता वाले खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए खेल मंत्रालय समय-समय पर विदेशी कोच नियुक्त करता रहा है। हो सकता है कि मुझे सभी विदेशी कोच की जरूरत महसूस नहीं हुई, लेकिन यह मेरा व्यक्तिगत फैसला है। मेरे लिए तो ‘ये दिल है हिंदुस्तानी’ राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के मार्गदर्शन में मेरा करियर परिपक्व हुआ और आगे बढ़ा। जब कोई कोच मुश्किल वक्त में आपके साथ खड़ा रहता है, तो उसके साथ आपका रिश्ता और मजबूत हो जाता है। 2014 से मैं अपने कोच के सुरक्षित मार्गदर्शन में रही हूं। अब सवाल यह है कि क्या हमें भारत में और विदेशी कोच लाने चाहिए या फिर अपने भारतीय कोचों पर भरोसा करना चाहिए? नई खेलो इंडिया योजना में अगले पांच वर्षों और उसके बाद भी खेलों के विकास के लिए व्यापक योजनाएं हैं। इसमें मुझे राष्ट्रीय कोच प्रत्यागन बोर्ड (एनसीएबी) की स्थापना का प्रावधान दिखाई देता है। जिस तरह राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम का उद्देश्य खेलों में सुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, उसी तरह एनसीएबी कोचों की योग्यता का मानकीकरण करना और यह प्रमाणित करना कि कोई व्यक्ति युवाओं को सही तरीके से प्रशिक्षित करने में सक्षम है या नहीं। हमें जमीनी स्तर पर अच्छे कोचों की जरूरत है। हमारे पास ऐसे कोच होने चाहिए, जो खेल की बिल्कुल बुनियादी बातें सिखा सकें। शुरुआत में किसी जटिल और भारी-भरकम प्रशिक्षण पद्धति की जरूरत नहीं है। जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण और उच्च प्रदर्शन वाला प्रशिक्षण दो अलग-अलग चीजें हैं। कोचिंग कोई ऐसा काम नहीं है, जिसका समाधान रातोंरात निकल आए। वैधकालिक सफलता के लिए हमें अपने देश में तैयार हुए ऐसे कोचों की जरूरत है, जो बुनियादी ज्ञान विकसित कर सकें और पुरुष तथा महिला खिलाड़ियों की अलग-अलग जरूरतों को समझ सकें, क्योंकि हमारे शरीर एक जैसे नहीं होते। हमारे पास अच्छे और जानकार कोच हैं, लेकिन उन्हें अवसर और पर्याप्त वक़्तक्षेत्र दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी क्षमताओं को और बेहतर बना सकें तथा अधिक प्रभावी बन सकें। प्रतियोगिता का स्तर चाहे जो भी हो, पदक खिलाड़ी और कोच के बीच बने रिश्ते का परिणाम होता है। मैं इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हूं। कोई भी विदेशी कोच ओलिंपिक पदक की गारंटी नहीं दे सकता, लेकिन असफलता मिलने पर उनका उपहास भी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, मेरा मानना ​​है कि भारतीय कोचों पर भरोसा किया जाना चाहिए। विदेशी विशेषज्ञों को हमारे सहायक स्टाफ की व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नियुक्त किया जा सकता है। संशोधित खेलो इंडिया योजना में प्रौद्योगिकी, खेल चिकित्सा और खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए रिकवरी और पुनर्वास बेहतर प्रदर्शन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। मेरे करियर में टोक्यो ओलिंपिक से पहले डॉ. एरॉन हॉर्रिंश ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। डॉ. हॉर्रिंश न केवल खेलों के फिजिकल थेरेपिस्ट हैं, बल्कि पूर्व भारोत्तोलक भी हैं। चोटों के उपचार को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत खास था। मेरे मामले में कंधे और पीठ के निचले हिस्से की चोटों के इलाज में उनकी विशेषज्ञता बेहद उपयोगी साबित हुई। यदि हम डॉ. हॉर्रिंश जैसे विशेषज्ञों की सेवाओं का इस्तेमाल अपने भारतीय कोचों के साथ कर सकें, तो हमारी सहायक व्यवस्था कहीं अधिक प्रभावी हो जाएगी। मैं फिर देहराना चाहूंगी कि भारतीय कोच अच्छे हैं। विदेशी विशेषज्ञों का इस्तेमाल करके हम अपनी सहायक व्यवस्था को किस तरह बेहतर बनाते हैं, यह देखना अभी बाकी है।

(लेखिका भारतीय वेटलिफ्टर हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

डायन प्रथा

प्रो. अरविंद पी भानु, डॉ. भावना बत्रा,वैशाली गुप्ता (रिसर्व स्कॉलर)

भारत को सदियों से महिलाओं को शक्ति, करुणा और सृजन का प्रतीक मानने वाली सभ्यता के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। नवरात्र में देवी की पूजा करने वाला यही समाज आज भी देश के अनेक हिस्सों में महिलाओं को ‘डायन’ घोषित कर सार्वजनिक अपमान, सामाजिक बहिष्कार, शारीरिक हिंसा और हत्या तक का शिकार बनाता है। विशेष रूप से झारखंड, ओडिशा तथा अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों में डायन प्रथा आज भी एक भयावह सामाजिक वास्तविकता बनी हुई है। हाल ही में झारखंड में आयोजित ‘महिलाओं के विरुद्ध अपराध : डायन प्रथा के विशेष संदर्भ में तथा अपराध पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास प्रदान करने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका’ विषयक राष्ट्रीय कोलोविवयम ने इस समस्या की गंभीरता को पुनः राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया, किंतु वस्तुतः यह समस्या किसी एक राज्य अथवा आयोजन तक सीमित नहीं है। यह भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वास, लैंगिक असमानता और सामाजिक बहि्करण की गहरी संरचनाओं को उजागर करती है।

डायन प्रथा को केवल ग्रामीण अंधविश्वास या धार्मिक विश्वास का परिणाम मानना उसकी वास्तविक प्रकृति को समझने में गंभीर भूल होगी। अनेक अध्ययनों और आपराधिक मामलों से स्पष्ट होता है कि महिलाओं को ‘डायन’ घोषित करना प्रायः संपत्ति हड़पने, व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने, सामाजिक नियंत्रण स्थापित करने अथवा कमजोर वर्गों को दबाने का माध्यम बन जाता है। विधवा महिलाएं, अकेली बुजुर्ग महिलाएं, आदिवासी तथा सामाजिक रूप से हाशिए पर स्थित महिलाएं इसका सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं। कई बार बीमारी, प्राकृतिक आपदा, पशुओं की मृत्यु, फसल की हानि या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का दोष भी महिलाओं पर मढ़ दिया जाता है। इस प्रकार डायन प्रथा केवल अज्ञानता नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक सत्ता-संबंधों, सामाजिक असमानता और संरचनात्मक हिंसा का रूप धारण कर चुकी है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि ‘मानव जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य अपने मस्तिक और बुद्धि का विकास करना होना चाहिए।’ यह विचार भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को प्रतिबिंबित करता है। डायन प्रथा जैसी कुप्रथाएं इस आदर्श के ठीक विपरीत खड़ी दिखाई देती हैं, क्योंकि वे विवेक, तर्क और वैज्ञानिक सोच के स्थान पर भय, मिथकों और सामाजिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देती हैं। विदंबना यह है कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और भयमुक्त जीवन का अधिकार प्रदान करता

महिलाओं के विरुद्ध छिपी सामाजिक हिंसा

भारत को सदियों से महिलाओं को शक्ति, करुणा और सृजन का प्रतीक मानने वाली सभ्यता के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। नवरात्र में देवी की पूजा करने वाला यही समाज आज भी देश के अनेक हिस्सों में महिलाओं को ‘डायन’ घोषित कर सार्वजनिक अपमान, सामाजिक बहिष्कार, शारीरिक हिंसा और हत्या तक का शिकार बनाता है। विशेष रूप से झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, असम तथा अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों में डायन प्रथा आज भी एक भयावह सामाजिक वास्तविकता बनी हुई है। हाल ही में झारखंड में आयोजित ‘महिलाओं के विरुद्ध अपराध : डायन प्रथा के विशेष संदर्भ में तथा अपराध पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास प्रदान करने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका’ विषयक राष्ट्रीय कोलोविवयम ने इस समस्या की गंभीरता को पुनः राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया, किंतु वस्तुतः यह समस्या किसी एक राज्य अथवा आयोजन तक सीमित नहीं है। यह भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वास, लैंगिक असमानता और सामाजिक बहि्करण की गहरी संरचनाओं को उजागर करती है।

डायन प्रथा को केवल ग्रामीण अंधविश्वास या धार्मिक विश्वास का परिणाम मानना उसकी वास्तविक प्रकृति को समझने में गंभीर भूल होगी। अनेक अध्ययनों और आपराधिक मामलों से स्पष्ट होता है कि महिलाओं को ‘डायन’ घोषित करना प्रायः संपत्ति हड़पने, व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने, सामाजिक नियंत्रण स्थापित करने अथवा कमजोर वर्गों को दबाने का माध्यम बन जाता है। विधवा महिलाएं, अकेली बुजुर्ग महिलाएं, आदिवासी तथा सामाजिक रूप से हाशिए पर स्थित महिलाएं इसका सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं। कई बार बीमारी, प्राकृतिक आपदा, पशुओं की मृत्यु, फसल की हानि या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का दोष भी महिलाओं पर मढ़ दिया जाता है। इस प्रकार डायन प्रथा केवल अज्ञानता नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक सत्ता-संबंधों, सामाजिक असमानता और संरचनात्मक हिंसा का रूप धारण कर चुकी है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि ‘मानव जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य अपने मस्तिक और बुद्धि का विकास करना होना चाहिए।’ यह विचार भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को प्रतिबिंबित करता है। डायन प्रथा जैसी कुप्रथाएं इस आदर्श के ठीक विपरीत खड़ी दिखाई देती हैं, क्योंकि वे विवेक, तर्क और वैज्ञानिक सोच के स्थान पर भय, मिथकों और सामाजिक पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देती हैं। विदंबना यह है कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और भयमुक्त जीवन का अधिकार प्रदान करता

है। यह उल्लेखनीय है कि 1976 की स्वर्ण सिंह समिति, जिसकी अनुशंसाओं के आधार पर 42वें संविधान संशोधन द्वारा मूल कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया, ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ऐसे संवैधानिक दायित्व के रूप में परिकल्पित किया था, जिसका उद्देश्य नागरिकों में तर्कशीलता, मानवतावाद, आलोचनात्मक जिज्ञासा तथा सुधारवादी सामाजिक चेतना का विकास करना था, ताकि अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और सामाजिक जड़ता को चुनौती दी जा सके। इस दृष्टि से डायन प्रथा केवल महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि संविधान द्वारा अपेक्षित वैज्ञानिक चेतना और सुधारवादी



समाज की अवधारणा के भी प्रतिकूल है। सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय युवा अधिकृता संघ बनाम केरल राज्य (सबरीमला मामले), 2018 में स्पष्ट किया कि संविधान का उद्देश्य केवल परंपराओं को संरक्षित करना नहीं, बल्कि समानता, गरिमा और संवैधानिक नैतिकता को रक्षा करना भी है। न्यायालय ने कहा कि कोई भी सामाजिक या धार्मिक प्रथा यदि मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है तो उसे संवैधानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। इसी प्रकार नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ, 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि ‘सामाजिक नैतिकता के नाम पर संवैधानिक नैतिकता का बलिदान नहीं किया जा सकता।’ यह सिद्धांत डायन प्रथा जैसी अमानवीय और भेदभावपूर्ण कुप्रथाओं पर पूर्णतः लागू होता है। जब किसी महिला को ‘डायन’ कहकर गांव से निकाल दिया जाता है, सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता है, उसके बाल काट दिए जाते हैं, उसे निर्वस्त्र घुमाया जाता है अथवा उसकी हत्या कर दी जाती है, तब केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं होता, बल्कि संविधान की आत्मा पर आघात होता है। फ्रांसिस कोराली मुलिन बनाम

दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र प्रशासक (1981) तथा मेनका गांधी बनाम भारत संघ (1978) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जीवन का अधिकार केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्मान, गरिमा और मानवीय प्रतिष्ठा के साथ जीवन जीने का अधिकार भी उसमें निहित है। डायन घोषित की गई महिलाओं के साथ होने वाला व्यवहार इस संवैधानिक संरक्षण का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अनेक अवसरों पर इस बात पर बल दिया है कि संविधान का केंद्रबिंदु प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वायत्तता और समान नागरिकता को रक्षा है। वहीं न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्ण अय्यर का यह विचार आज भी प्रासंगिक है कि ‘कानून केवल पुस्तकों में लिखे नियमों का संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय स्थापित करने का एक प्रभावी साधन है।’ यदि डायन प्रथा जैसी अमानवीय उल्लंघनएं आज भी महिलाओं का जीवन और सम्मान छीन रही हैं, तो यह केवल समाज की नहीं, बल्कि राज्य, प्रशासन और विधि व्यवस्था की भी सामूहिक विफलता है। डायन प्रथा की गंभीरता को न्यायापालिका ने समय-समय पर रेखांकित भी किया है। विभिन्न मामलों में झारखंड उच्च न्यायालय तथा गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने विच-हॉटिंग को महिलाओं के विरुद्ध क्रूरतापूर्ण हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन और सामाजिक न्याय के लिए गंभीर चुनौती बताया है। न्यायालयों ने यह चिंता व्यक्त की है कि अशिक्षा, अंधविश्वास और प्रशासनिक उदासीनता के कारण निर्दोष महिलाओं को सामाजिक प्रताड़ना और हिंसा का सामना करना पड़ता है। इन टिप्पणियों से स्पष्ट है कि न्यायपालिका डायन प्रथा को केवल आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों पर आघात के रूप में देखती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत डायन प्रथा को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में न देखकर सामाजिक न्याय, महिला अधिकारों, वैज्ञानिक चेतना और मानवीय गरिमा के प्रश्न के रूप में स्वीकार करे। किसी भी लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा उसके सबसे कमजोर और हाशिए पर खड़े नागरिकों की सुरक्षा से होती है। जब तक महिलाओं को अंधविश्वास, सामाजिक बहिष्कार और हिंसा के भय से मुक्ति नहीं मिलेगी, तब तक संवैधानिक समानता अधूरी रहेगी। भारत को यदि वास्तविक संवैधानिक लोकतंत्र बनना है, तो उसे इस अमानवीय प्रथा के विरुद्ध कानून, शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक जागरूकता और मानवीय संवेदनशीलता – सभी स्तरों पर निर्णायक संघर्ष करना होगा।

(लेखक एकट्टी मुक्तिवर्धन कोरछा से संबंधित हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

मन पतंग, श्वास डोर!



संकलित दर्शन

केवल एक स्वस्थ कली ही खिल सकती है। उसी प्रकार केवल एक स्वस्थ व्यक्ति ही सफल हो सकता है। तो स्वस्थ होना क्या है? यदि आपके भीतर कड़ापन, बेचैनी या असंतोष है, तो आप स्वस्थ नहीं हैं। यदि मन अस्थिर और अशांत है, तो आप मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि भावनाएं असंतुलित हैं, तो आप भावनात्मक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। पूर्ण स्वास्थ्य की स्थिति प्राप्त करने के लिए मन को शांत, स्थिर और भावनाओं को कोमल रखना आवश्यक है। पूर्ण स्वास्थ्य हमारे भीतर से बाहर और बाहर से भीतर निरंतर प्रवाहित होना चाहिए। संस्कृत में स्व या आत्मा में स्थित होने को स्वास्थ्य कहते हैं। हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि हमारा अस्तित्व के पांच कोश (परत) होते हैं। पहला है पर्यावरण, अर्थात हमारे चारों ओर का वायुमंडल- यह हमारा मूल आवरण है। दूसरा है भौतिक शरीर। तीसरा है प्राणमय कोश, अर्थात जीवन ऊर्जा। चौथा है मनोमय कोश, जिसमें विचार, भावनाएं और कल्पनाएं होती हैं। पांचवां है विज्ञानमय या अंतर्ज्ञानमय कोश, जिसमें सहज अनुभूति और गहरी समझ होती है- यह अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। जब कोई रोग उत्पन्न होता है, तो वह पहले विचार रूप में आता है, फिर ध्वनि रूप में, फिर प्रकाश रूप में आभाषमंडल में प्रकट होता है, और अंततः शरीर में दिखाई देता है।



संकलित प्रेरणा

आज की पाती

घुमंतू परिवारों को स्थायी सहारे की जरूरत

भारत में ऐसे हजारों परिवार आज भी हैं, जिनके बच्चों के लिए नियमित स्कूल तक पहुंच आसान नहीं है। विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के अनेक परिवार पीढ़ियों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर घुमते हुए जीवन बिताते हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों भी माता-पिता के साथ स्थान बदलते रहते हैं और इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई पर पड़ता है। केंद्र सरकार अब इन बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन की व्यवस्था पर विचार कर रही है। यदि स्कूल तक पहुंच, आर्थिक सहायता, आवास, एडवांस हेल्थकेयर और रोजगार के अवसर एक साथ उपलब्ध कराय जाएं, तो घुमंतू परिवारों की अगली पीढ़ी के जीवन में बड़ा बदलाव संभव है। शिक्षा से जुड़ाव वस्तव में बेहतर और स्थायी जीवन की शुरुआत बन सकता है। ऐसे लोगों को प्रेरित करने का सरकार का यह प्रयास सराहनीय होगा। -*कौतिलाल मंडोत, सूरत*

ऑफ बीट

पृथ्वी के ऊपरी सतह के रहस्यों का पता चला

पृथ्वी आज एकमात्र ज्ञात ग्रह है जिस पर प्लेट टेक्टोनिक्स हैं। ग्रह के मैग्मा पर चट्टानों के इन विशाल स्लेब की निरंतर गति से महाद्वीप बनते हैं और शायद इससे जीवन का सृजन करने में भी मदद मिली हो। पृथ्वी लगभग 4.5 अरब साल पुरानी है। कुछ वैज्ञानिकों का तर्क है कि अपने शुरुआती रूप में, ग्रह में प्लेट टेक्टोनिक्स नहीं थी और इसके बजाय इसकी विशेषता स्थिर सतह (एक द्रवक की कल्पना करें) रही होगी – मंगल ग्रह के समान। दूसरों का कहना है कि इसकी विशेषता एपिसोडिक, स्टॉर्न-स्टार्ट टेक्टोनिक्स रही होगी। प्लेट टेक्टोनिक्स महासागरों और वायुमंडल की संरचना से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं क्योंकि प्लेटों की निरंतर गति कार्बन और अन्य तत्वों को भी इधर-विकटता से जुड़ा हुआ है। इस वजह से, प्लेट टेक्टोनिक्स को पृथ्वी पर जीवन के विकास से भी घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। एक विशिष्ट रासायनिक फिंगरप्रिंट टेक्टोनिक प्लेटों की गति उनकी सीमाओं पर ज्वालामुखी गतिविधि उत्पन्न करती है। लेकिन द्वीप चापों पर, जैसे कि तयकश्चित रिया ऑफ फार्थर जो प्रशांत महासागर को घेरता है, इस ज्वालामुखी की एक विशिष्ट रासायनिक फिंगरप्रिंट है जो आज के आसत महाद्वीपीय सतह के लगभग समान है।



पहली एलएनजी ट्रेन

अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन से देश को पहली एलएनजी ट्रेन सप्लाई की गई। साफ ऊर्जा से चलने वाली यह ट्रेन न सिर्फिंडीजल एर निर्गतता कम करके प्रदूषण घटावभी, बल्कि विदेशी मुद्रा की बचत भी करेगी और ग्रीन रेलवे के हमारे संकल्प को पूरा करेगी। -*अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री*

पिंकी का शानदार प्रदर्शन

पिंकी बलहारा ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के -78 किग्रा कूल्हा इटने में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। इन उपलब्धि के लिए पिंकी को बधाई। उम्मीद है कि वह आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन कर भारत का नाम और रोशन करेगी। -*राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री*

सांस्कृतिक चेतना

राजनीति से दूर रहते हुए भी अशोक सिंगल ने देवभार के हर व्यक्ति के दिल में अगनी जगह बनाई। उनका जीवन पूरी तरह से भारत माता की सेवा के लिए समर्पित थ; उन्होंने देश की सांस्कृतिक चेतना को जहलने के लिए पूरे हिंदू समाज को एकजुट किया। -*धर्मेष्ट प्रधान, सांघद, मजगा*

घटिया सड़क

पूरी सड़क हाथ से खोदी जा रही है। दिल्ली में पहले कभी इतनी घटिया सड़क नहीं बनी। कच्चा, जल डली बाटाघर को लेकर एक वीडियो बनाया जा रहा था, तो मंत्री प्रवेश वर्मा आया खो बैठे और एक लड़के को थापा मार दिया। -*अरविंद कैजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली*



पुराने थाने की बिल्डिंग में गंदगी का अंबार, दुर्गंध से ग्रामीण परेशान

मृत पशुओं के पड़े रहने से बढ़ी समस्या, ग्रामीणों ने अधिकारियों से समाधान की मांग की

अमन लेखनी समाचार

ककरवई। गरीठा तहसील क्षेत्र के ब्लॉक बामौर अंतर्गत ग्राम ककरवई में पुराने थाने की बिल्डिंग के अंदर और बाहर गंदगी का भारी अंबार लगा हुआ है। लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण आसपास रहने वाले ग्रामीणों को दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पुराने थाने की बिल्डिंग परिसर में कई बार मृत जानवर पड़े रहते हैं। तस्वीरों में एक मृत गाय को कुत्तों द्वारा नोचते हुए देखा जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि मृत पशुओं के पड़े रहने से दुर्गंध फैलती है और संक्रमण का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से



शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। इससे आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम निवासी हेरेंद्र गौतम, निखिल गौतम, नरेंद्र गौतम,

विनीत गौतम, शिवकुमार गुप्ता और भोले गौतम आदि ने प्रशासन से पुरानी थाना बिल्डिंग परिसर की तत्काल सफाई कराने तथा मृत पशुओं को हटवाकर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

डॉ. अंजु कुमार द्विवेदी बने सर्वब्राह्मण विकास परिषद के गरीठा विधानसभा अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार
गरीठा। सर्वब्राह्मण विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं० कमल किशोर अवस्थी एडवोकेट ने सर्वब्राह्मण विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर अवस्थी एवं राष्ट्रीय मन्त्री एवं प्रभारी बुन्देलखण्ड पं० राहुल रिछारिया एवं सर्व ब्राह्मण विकास परिषद महिला समिति कानपुर प्रान्त की उपाध्यक्ष शिप्रा मिश्रा एडवोकेट एवं सर्वब्राह्मण विकास परिषद झांसी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष पं० अजय रावत एवं सर्व ब्राह्मण विकास परिषद झांसी जिला अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा एडवोकेट एवं सर्वब्राह्मण विकास परिषद जिला झांसी के उपाध्यक्ष रमेश पटेरिया एडवोकेट की अनुशंसा पर सर्व ब्राह्मण विकास परिषद गरीठा नगर जिला झांसी जिले का डॉक्टर अंजु कुमार द्विवेदी प्रधान नागर को सर्व ब्राह्मण विकास परिषद (रजि.) जिला झांसी की गरीठा समथर विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इनका मनोनयन 31 दिसंबर 2027 तक किया गया है।



अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर के खजुहा विकासखंड ब्लॉक संसाधन केन्द्र परिसर अंतर्गत कल निपुण भारत मिशन की एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई आयोजित कार्यशाला की अगुवाई कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी पवन कुमार द्विवेदी ने प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक करते हुए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि निपुण भारत मिशन कालक्ष्य प्रार्थमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना तथा स्कूलों में शिक्षण व्यवस्थाओं को मजबूत करना है कार्यक्रम में उपस्थित संदर्भ दाता सुमित कुमार शुक्ला ने

अपना संबोधन करते हुए शिक्षण संस्थाओं में पठन संस्कृति को विकसित करने पर विशेष बल दिया वहीं बैठक के दौरान शिक्षा गतिविधियों की विशेष रणनीतियों पर चर्चा करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कार्यशाला में कक्षा 10 सूत्रीय टूलकिट जीआर आर मॉडल तथा कैच अप शिक्षा के बारे में विशेष चर्चा की वहीं इन सभी गतिविधियों को शिक्षण संस्थाओं पर लागू करने की जानकारी देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रधानाध्यापकों को प्रेरित किया इस मौके पर समूचे विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक गण मौजूद रहे

अनियंत्रित पिकअप ने स्कूल जा रही बच्ची को किया चोटिल



पुलिस की तत्परता से वाहन पुलिस हिरासत में, बच्ची खतरे से बाहर

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत थैलिया निवासी मानवेंद्र पाल सिंह की 11 वर्षीय पुत्री संस्तुति सिंह आज मंगलवार प्रातः 9:30 बजे

विद्यालय जा रही थी तभी अनियंत्रित पिकअप यूपी 40 बीटी 8643 ने उसे चोटिल कर दिया। खैरीघाट पुलिस की तत्परता से बच्ची को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहीं पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक पूछताछ व जांच जारी कर दी है। बच्चे भी खतरे से बिल्कुल बाहर व स्वस्थ है।

दूसरी बार बालिका पर बंदर का हमला, चेहरा और आंख लहलुहान

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मिहीपुरवा तहसील के गुलरा ग्राम पंचायत के मजरा भज्जापुरवा में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। सोमवार को पैर में काटकर घायल करने के बाद मंगलवार को बंदर ने उसी 10 वर्षीय बालिका पर दोबारा हमला कर दिया। इस बार बंदर ने बालिका के चेहरे और दाहिनी आंख के पास पंजे मारकर उसे लहलुहान कर दिया। परिजन घायल अवस्था में उसे सीएचसी मोतीपुर लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। भज्जापुरवा निवासी रामप्रताप जायसवाल की 10 वर्षीय पुत्री मानसी सोमवार को घर के कमरे में पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान बंदर ने उस पर हमला कर पैर में काट लिया



जिसपर परिजनों ने सीएचसी में उपचार करवाया था कि मंगलवार को बंदर ने फिर मानसी को अपना निशाना बना लिया। बताया जा रहा है कि बंदर अचानक घर के अंदर कमरे में घुस आया और बालिका पर हमला कर

दिया। परिजन जब तक बचाने दौड़े बंदर ने उसके चेहरे और दाहिनी आंख के पास काट लिया जिससे गंभीर घाव हो गये हैं। पिछले करीब दस दिनों से गांव में बंदरों का आतंक बना हुआ है। इस दौरान बंदर कई बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर घरों के अंदर तक पहुंचकर बच्चों पर हमला कर रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। एक ही बालिका पर लगातार दो दिन हमला होने के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यवाही को लेकर भी नाराजगी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बंदर को तत्काल पकड़कर आबादी से दूर करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्यवाई नहीं की गई तो बंदर किसी बच्चे को गंभीर रूप से घायल कर सकता है।

दूसरे दिन भी काली पट्टी बांधकर सीएचओ ने किया ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर सेवाएं जारी रखते हुए बताया विरोध, आज लखनऊ कूच की तैयारी

अमन लेखनी समाचार

झांसी। लंबित मांगों को लेकर एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स उत्तर प्रदेश (एसोएचओयूपी) के नेतृत्व में चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के दूसरे दिन मंगलवार को भी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार किया। सीएचओ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उपस्थित रहकर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं और शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। संगठन की प्रमुख मांगों में सीएचओ कैडर का निर्माण एवं नियमितोकरण, समान कार्य-समान वेतन, पीबीआई को वेतन में शामिल करना, रिक्त पदों पर स्थानांतरण, कैशलेस स्वास्थ्य बीमा तथा नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में वेटेज दिए जाने की मांग शामिल है। एसोएचओयूपी जिलाध्यक्ष गगन प्रकाश त्यागी ने कहा कि सीएचओ स्वास्थ्य व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और अपनी मांगों को लेकर लगातार शांतिपूर्ण तरीके से शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। जिला महामंत्री ऋषिकेश गोस्वामी ने बताया कि आंदोलन के अगले चरण में 30 सितंबर से लखनऊ के ईको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। उन्होंने सभी सीएचओ साथियों से एकजुट होकर आंदोलन में सहयोग करने की अपील की। संगठन का कहना है कि मांगों पर टोस निर्णय होने तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।



मलवा कांड में मरने वालों की संख्या हुई 5 घर पहुंचे जनप्रतिनिधि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों को दी आर्थिक सहायता राशि

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, जनपद के मलवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मलवा कस्बे में हुई गैस सिलेंडर के फटने से दर्दनाक घटना के बाद चार बच्चों की मौत विगत दिवस हो चुकी थी वहीं पांचवें घायल आलोक की भी मौत कल हो गई जानकारी मिलते ही जनप्रतिनिधियों का तांता लग गया जहां जानकारी मिलने पर बिंदकी विधायक जयकुमार सिंह जैकी भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी मंत्री अजीत पाल आदि मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे जहां घायलों से हाल-चाल लिए वही समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामेश्वर दयाल दयाल पूर्व ब्लाक प्रमुख जीतेंद्र सिंह आदि शव विच्छेदन गृह पहुंचे जहां शोक संतुप्त परिजनों से मुलाकात करते हुए गहरा दुःख व्यक्त



किया वहीं सूचना मिलते ही जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी वरिष्ठ नेता संतोष तिवारी जहानाबाद विधायक राजेंद्र पटेल समेत भारी संख्या में जनप्रतिनिधि पहुंचे तथा परिजनों से मुलाकात करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की वहीं जिला अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ द्वारा सभी मृतकों के लिए शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को दो-दो लाख रुपये की चेक तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई प्रभारी मंत्री अजीत पाल ने पहुंचकर मृतक आश्रितों को चेक प्रदान की वही इस घटना से समूचे जनपद में शोक की लहर तोड़ गई

गृह मंत्रालय द्वारा जनपद के उपनिरीक्षक पदक से हुए सम्मानित



उत्कृष्ट कार्यशैली को देखकर पुलिस अधीक्षक ने प्रदान किया पदक

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, अपने उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित करते हुए प्रशासनिक विभाग के अधिकारियों ने केवल जनपद ही नहीं अगितु प्रदेश तथा देश में भी ख्याति प्राप्त की विगत दिवस गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अति उत्कृष्ट सेवा को देखते हुए जनपद के थाना चांदपुर में कार्यरत थाना प्रभारी वृंदावन राय को पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के हाथों उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था वही अपनी कार्य कुशलता को स्थापित करते हुए

जनपद के एक और उपनिरीक्षक सालिगराम शुक्ला की भी गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया जनपद के होनहार पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए पदक से अलंकृत करते हुए उप निरीक्षक सालिगराम शुक्ला को हार्दिक शुभकामनाएं दी पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सेवारत कर्तव्यनिष्ठ उपनिरीक्षकों ने जनपद में प्रशासन को विशेष योगदान देते हुए उत्कृष्ट कार्यशैली प्रदर्शित की है जिसके लिए दोनों उपनिरीक्षक सराहना के पात्र हैं

आंगन मिलन और पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। सेवा संकल्प अभियान के तहत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से विकास खंड हिलौली के बछौरा आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगन मिलन एवं पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अनिल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, उनके साथ माहि चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष कल्पना सिंह भी मौजूद रहें। कार्यक्रम का शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कल्पना सिंह ने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए कुपोषण मुक्त भारत और स्वस्थ बचपन बहुत जरूरी है। विधायक अनिल सिंह ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षकों के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं



और रसोइयों को कैशलेस हेल्थ कार्ड से जोड़कर शिक्षा की नींव को मजबूत करने का काम कर रही है। इस दौरान, विधायक और कल्पना सिंह ने पोषण से संबंधित रसोयी प्रदर्शनों का अवलोकन किया। साथ ही गोदभरई और नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को साड़ी, बैग और दीवार घड़ी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सीडीपीओ सुनीता सिंह, साधना सिंह, कलावती, सुभी, भाजपा जिला महामंत्री डॉ. रजनीश वर्मा, जिला मंत्री संदीप शुक्ला, विधायक मॉडिया प्रभारी बृजेश शुक्ला, मंडल अध्यक्ष मौरावां विजय गुप्ता, हिलौली मंडल अध्यक्ष राम शंकर राजपूत, ब्लॉक प्रमुख असोहा आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और ग्रामीण मौजूद रहे।

डीएम ने छात्राओं संग बैठकर किया भोजन

अमेठी के डीएम शशांक चौधरी ने मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज असेदापुर का निरीक्षण किया। उन्होंने पढ़ाई, हॉस्टल और राशन की व्यवस्था देखी। इस दौरान डीएम ने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन भी किया। डीएम ने मेस का निरीक्षण कर खाने की गुणवत्ता पूछी। उन्होंने खुद छात्राओं के साथ खाना खाया और मेन्यू के हिसाब से अच्छा खाना देने के निर्देश दिए। मेस और परिसर में साफ-सफाई पर भी जोर दिया। इसके बाद जिलाधिकारी ने हॉस्टल की साफ-सफाई, पीने का पानी और बिजली व्यवस्था देखी। प्रिंसिपल गीता वर्मा ने तख्तां की कमी बताई, जिस पर डीएम ने फंड से व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने क्लासरूम में छात्राओं से पढ़ाई के बारे में भी बात की। डीएम ने शिक्षकों को अच्छी शिक्षा देने और समय पर कॉलेज पहुंचने के निर्देश दिए।

पोती को स्कूल छोड़कर घर वापस जा रहे दादा की सड़क हादसे में मौत



अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। पोती को स्कूल छोड़कर वापस घर वापस हो रहे दादा की अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वाहन व साइकिल की भिड़ंत में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जिससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत ललुही निवासी सुरेश सिंह 60 वर्ष रोज की तरह अपने पोती पलक को लेकर बरहदा स्कूल पहुंचे और स्कूल छोड़ने

के पश्चात अपने घर वापस लौट रहे थे कि बरहदा मे ही डॉक्टर कमल लोचन के खेत के पास पत्थरी सड़क पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण की गई है। प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि भाई लल्लन सिंह पुत्र बच्चा सिंह की सूचना पर अभियोग दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

बाढ़ के पानी में डूबा बालक, परिजनों में मातम

खैरीघाट पुलिस ने पूर्ण की संवैधानिक कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। घर के पास बाढ़ के पानी में डूबने से बालक की हुई मौत। परिजनों में मचा कोहराम इलाकाई पुलिस में पूर्ण की संवैधानिक कार्यवाही। जनपद के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ढकिया गांव निवासी 6 वर्षीय पुनीत खिलते खेलते घर के पास बाढ़ के भरे पानी में कब पहुंच गया किसी को नहीं पता था। वहीं बालक का पैर फिसलने से वह गहरे पानी में पहुंच गया और डूबने से उसकी मौत हो



मजिस्ट्रेट को अवगत कराते हुए प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट मय टीम ने पहुंचकर शव का पंचनामा व विधिक कार्यवाही संपन्न किया है।

महिला रिले टीम और निशानेबाज नीरू को स्वर्ण, भारत एशियाड पदक तालिका में शीर्ष दस में

नागोया। भारी बारिश और ठंडे मौसम के बीच नारी शक्ति ने भारत को सुनहरी सफलता दिलते हुए एशियाई खेलों की पदक तालिका में शीर्ष 10 में पहुंचा दिया जब नीरू ढांडा ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में भारत के लिये पहला स्वर्ण पदक जीता और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने एथलेटिक्स में एकमात्र पीला तमगा दिलाया। इसके साथ ही इन एशियाई खेलों में भारत के पदकों का अर्धशतक पूरा हो गया। छह स्वर्ण, 21 रजत और 25 कांस्य समेत कुल 52 पदक के साथ भारत पदक तालिका में दसवें स्थान पर पहुंच गया। सुबह पहले सत्र में ढांडा ने ट्रैप फाइनल में 28 स्कोर करके भारत को इन खेलों में व्यक्तिगत निशानेबाजी में पहला स्वर्ण दिलाया।



वहीं शाम को किरण, प्राची चौधरी, एम आर पूवम्मा और विथ्या रामराज ने चार गुणा 400 मीटर महिला रिले टीम में तीन मिनट 29 . 69 सेकंड का समय

निकालकर पहला स्थान हासिल किया। 36 वर्ष की पूवम्मा 2014 और 2018 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रह चुकी है। विथ्या रामराज ने 400



सेमीफाइनल में जीते जिससे आठ साल में पहली बार भारत का कोई पुरुष मुक्केबाज फाइनल में पहुंचा है। भारत ने 2026 एशियाई खेलों में एथलेटिक्स में

अपने अभियान का अंत 24 पदक के साथ किया जिसमें एक स्वर्ण, नौ रजत और 14 कांस्य पदक शामिल थे। हांगझोउ में 2023 खेलों में भारत ने

एथलेटिक्स में छह स्वर्ण, 14 रजत और नौ कांस्य समेत 29 पदक जीते थे। इससे पहले गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, स्नेहा सत्यनारायण और हरिता भद्रा ने

चार गुणा 100 मीटर मिश्रित रिले फाइनल में सत्र का सर्वश्रेष्ठ 41.06 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। भारत की पूजा सिंह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहरा नहीं सकी लेकिन। . 84 मीटर की कूद से महिलाओं की उंची कूद में कांस्य पदक जीता। वहीं गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पुरुषों की 5000 मीटर रेस में 13 मिनट 32 . 75 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता जो इन खेलों में उनका तीसरा पदक था। इन खेलों में भारत की आखिरी एथलेटिक्स स्पर्धा में धरमवीर चौधरी, मनु थेविक्कनल्लि, जय कुमार और विशाल थेन्नारायू ने पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले फाइनल में कांस्य पदक जीता।

भारतीय तेज गेंदबाजों पर होगी नजर

कप्तान गिल ने भी इस मैच में शतक जड़ा था जिससे भारत ने 296 रन का लक्ष्य 42 ओवर से भी कम में हासिल कर लिया था

एजेंसी

गुवाहाटी। बल्लेबाजी निस्संदेह भारत की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम के लिए तेज गेंदबाजी का अस्थिर संयोजन चिंता का विषय होगा। विराट कोहली पर फिर से नजर होगी जिन्होंने तिरुवनंतपुरम में तीन मैच की श्रृंखला के पहले मैच में रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाया था। कप्तान गिल ने भी इस मैच में शतक जड़ा था जिससे भारत ने 296 रन का लक्ष्य 42 ओवर से भी कम में हासिल कर लिया था।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुल्दीप यादव ने भी चार विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर नजर आया। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी को नई गेंद सौंपी गई थी जबकि मोहम्मद सिराज को विश्राम दिया गया था। रेड्डी से गेंदबाजी की शुरुआत करने से कई सवाल खड़े हो गए क्योंकि टीम की यह रणनीति नहीं चल पाई। बाएं पैर की जाघ की मांसपेशी में चोट से उबरकर लैटे रेड्डी लय हासिल करने के लिए

संक्षेप

धीरज व नीरज तीरंदारजी के क्वार्टर फाइनल में

नागोया। भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्पदेवरा और नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। प्री-क्वार्टर फाइनल में नीरज ने दक्षिण कोरिया के 22 वर्षीय किम जे डिओक को 6-4 से हराकर बड़ा उल्टफेर किया। किम तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज ने मुकाबला 30-28, 29-29, 29-30, 29-29, 29-27 के स्कोर से अपने नाम किया। धीरज ने चीनी ताइपे के चेंग ह्सियांग-हुई को 6-2 से मात दी। धीरज ने 29-27, 27-28, 30-28, 29-28 के स्कोर से जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में धीरज का सामना उज्बेकिस्तान के अमिरखोन सादिकोव से होगा, जबकि नीरज चौहान भूटान के लाम दोरजी के खिलाफ उतरेंगे। इससे पहले धीरज ने अंतिम 32 में फिलीपींस के गिरविन कलन निगेल गार्सिया को 6-0 से हराया था। नीरज ने इंडोनेशिया के रियाउ डंगा अगाता साल्साबिला को 6-4 से मात देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

भारतीय कैनो स्लैलम पैडलर्स सेमीफाइनल में

नागोया। भारतीय कैनो स्लैलम पैडलर्स ने एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुषों की कयाक एकल और महिलाओं की कैनो एकल स्पर्धाओं में सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुषों की कयाक एकल स्पर्धा में हितेश केवट 118.22 सेकंड के समय के साथ आठवें, जबकि प्रद्युम्न सिंह राठौड़ 127.70 सेकंड का समय लेकर 10वें स्थान पर रहे। महिलाओं की कैनो एकल स्पर्धा में पल्लवी जगताप 224.20 सेकंड के समय के साथ सातवें, जबकि रीना सेन 342.72 सेकंड के समय के साथ नौवें स्थान पर रहीं। चारों भारतीय पैडलर बुधवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में हिस्सा लेंगे।



संघर्ष करते दिखे, जिस कारण उन्होंने सात गेंदों के एक ओवर में 18 रन लुटा दिए। हार्दिक को अभी तक फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है और बुमराह एशियाई खेलों के लिए जापान में हैं।

इस श्रृंखला को हालांकि अगले वनडे विश्व कप से पहले भारत के विकल्पों का आकलन करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा था। रेड्डी को दीर्घकालिक ऑलराउंड विकल्प माना जा रहा है और उन्हें गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का पूरा

समर्थन प्राप्त था। वह छठे गेंदबाजी विकल्प भी हो सकते थे, लेकिन उन्होंने लगातार निराश किया है। अब सवाल यह है कि क्या भारत नई गेंद से रेड्डी को आजमाना जारी रखेगा या दूसरे वनडे के लिए अधिक भरोसेमंद सिराज को वापस मौका देगा।

ऐसे में जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पदार्पण का मौका देना बुरा नहीं होगा। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल होने के बावजूद नबी

को अभी भी अपने पदार्पण का इंतजार है। टीम ऑलराउंडरों की तलाश में है और इसलिए पहले मैच में बल्लेबाजी ऑलराउंडर नमन धीर को पदार्पण का मौका दिया गया।

धीर ने पांच ओवर में 33 रन दिए, लेकिन उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। अगर सिराज को वापसी होती है तो ऑलराउंडर विकल्पों में से किसी एक को बाहर बैटना पड़ सकता है। अगर नबी को मौका मिलता है तो भारत को एक अतिरिक्त विशेषज्ञ गेंदबाज को

भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हराया

एजेंसी

राजकोट। यशवर्धन चौहान ने 75 रन देकर छह विकेट लिए और ईशान ओम ने 62 रन देकर चार विकेट चटकाए जबकि लक्ष्य रायचंदानी ने 240 रन की पारी खेली जिससे भारत अंडर-19 ने मंगलवार को यहां पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 48 रन से करारी शिकस्त दी। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 पर अपना दबदबा कायम रखा। भारतीय टीम ने दो मैच की इस बहुदिवसीय श्रृंखला से पहले खेली गई युवा एकदिवसीय शृंखला में भी ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से हराया था।

भारत अंडर-19 ने पहली पारी में 277 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद ही मैच का परिणाम लगभग तय कर दिया था। रायचंदानी के दोहरे शतक और चौहान (54) तथा मोहित उलवा (92) के अर्धशतकों की मदद से भारत ने पहली पारी में 494 रन बनाए। चौहान भारत के लिए सबसे प्रभावी गेंदबाज रहे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ते हुए ब्लेक कैटल (123) और सलामी बल्लेबाज नील पटेल (41) के महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। कैटल ने मेहमान टीम की ओर से अकेले संघर्ष करते हुए शानदार शतक लगाया। उन्होंने 114 गेंद में 16 चौकों और चार छक्कों की मदद से 123 रन बनाए। उन्होंने हालांकि दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल और ऑस्ट्रेलिया के सात बल्लेबाज दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाए। जहां चौहान ने ऑस्ट्रेलिया



की पारी को समेटने का काम किया, वहीं बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने विशेषज्ञ बल्लेबाजों को परेशान किया। उनकी बाएं हाथ की पारंपरिक स्पिन का ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। इससे पहले मैच के दूसरे दिन भारत ने रायचंदानी के नाबाद 210 रन की मदद से 213 रन की बढ़त हासिल कर ली थी। तीसरे दिन 430 रन पर सात विकेट से आगे खेलते हुए भारत ने अपनी पहली पारी 494 रन पर समाप्त की।

भारतीय टीम अब अपनी इस लय को बरकरार रखकर इतिहास रचने की करेगी कोशिश

कोरिया की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा भारत को

एजेंसी

काकामिगाहारा (जापान)। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के 44 साल के इंतजार को खत्म करने की कवायद में लगी भारतीय महिला हॉकी टीम को बुधवार को यहां होने वाले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। भारतीय महिला टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वह अजेय है।

भारतीय टीम अब अपनी इस लय को बरकरार रखकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी। वह एशियाई खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करने से सिर्फ दो जीत दूर है। इससे पहले उसने एकमात्र स्वर्ण पदक 1982 में जीता था। भारतीय टीम लगातार पांच मैच जीतने और बेहतर विश्व रैंकिंग के साथ कोरियाई टीम के खिलाफ प्रवल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी।



भारत विश्व रैंकिंग में आठवें जबकि कोरिया 15वें स्थान पर है। इस

प्रतिযোগिता में भाग लेने वाली टीमों में

उतारने और बाकी खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होगा।

आंकड़े नहीं बल्कि जीत की चाह ने इतने लंबे समय तक मुझे आगे बढ़ाये रखा : कोहली

तिरुवनंतपुरम। एकदिवसीय क्रिकेट में हाल ही में 15,000 रन पूरे करने वाले दिग्गज विराट कोहली ने कहा कि इस प्रारूप में उनकी लंबे समय तक कायम सफलता का आधार व्यक्तिगत रिकॉर्ड हासिल करने की बजाय भारत को जीत दिलाने की कोशिश रही है। कोहली महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद वनडे में 15,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के केवल दूसरे बल्लेबाज बने। उन्होंने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ शृंखला के पहले मुकाबले में रिकॉर्ड 55वां वनडे शतक जड़कर भारत को जीत दिलाई। कोहली ने बीसीसीआई टीवी से कहा, निश्चित तौर पर आंकड़ों के नजरिये से देखें तो यह बड़ा आंकड़ा है। लेकिन लक्ष्य हमेशा सरल रहा है। यह अलग-अलग और मुश्किल परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाने की कोशिश करना। मैंने वर्षों से यही करने की कोशिश की है। सैतीस वर्षीय कोहली ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी मुख्य रूप से आंकड़ों के पीछे भागता है।

भारतीय महिला ए टीम नौ विकेट पर 351 रन

मोहाली। तनीषा सिंह (92), निकी प्रसाद (नाबाद 78) और शुभा सतीश (59) की पारियों की मदद से भारत महिला ए ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन मंगलवार को नौ विकेट पर 351 रन बनाये।

भारत ने बल्लेबाजी के अनुकूल हालात का पूरा फायदा उठाते हुए दबदबा बनाये रखा। शुभा ने 117 गेंद में दस चौकों की मदद से 59, प्रिया पुनिया ने 46 रन बनाये और दोनों ने 102 रन की साझेदारी की। वास्तिका भाटिया (पांच) और तेजल हसबनिस (दो) जल्दी आउट हो गईं। तनीषा ने 166 गेंद में 92 रन बनाये जिसमें 12 चौके शामिल थे। निक्की प्रसाद ने 99 गेंद में नाबाद 78 रन बनाये जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल हैं। अनुष्का शर्मा ने 44 रन बनाये। आस्ट्रेलिया के लिये चार्ली नॉट और लिली मिल्स ने तीन तीन विकेट लिए।

एजेंसी

मिलान। रॉबर्टो मैनसिनी के मार्गदर्शन में इटली की टीम ने बेहद कम समय में शानदार बदलव के संकेत देते हुए नेशंस कप फुटबॉल में सोमवार को तुर्किये को उसी के मैदान पर 4-1 से करारी शिकस्त दी। मैनसिनी के कार्यभार संभालने के बाद यह टीम का दूसरा मुकाबला था और लंबे समय बाद इटली का प्रदर्शन इतना प्रभावशाली

○ फ्रांस ने दी बेल्जियम को मात

नजर आया। इससे पहले शुक्रवार को बेल्जियम के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 की हार में इटली की टीम संघर्ष करती दिखाई दी थी। यह हार उस निराशा के छह महीने बाद आई थी, जब इटली लगातार तीसरी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहा था। इटली को अगले मुकाबले में कहीं ज्यादा कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। शुक्रवार को उसे फ्रांस के खिलाफ उसी की धरती पर खेलना है। फ्रांस ने भी



नये कोच जिनेदिन जिदान के नेतृत्व में शुरुआत की है। चोटिल किलियन एमबापे के बिना खेल रही फ्रांस की टीम ने बेल्जियम को 1-0 से हराया। ब्रेंटफोर्ड के डिफेंडर माइकल कायोडे ने इटली की ओर से अपने पदार्पण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल किया और एक गोल में सहायता की। इटली के लिए अन्य गोल एलेसांद्रो बास्तोनी, डेविड फ्रातेसी और पियो एस्पोसितो ने किए। बारिस

आम्रपाली योजना व वृंदावन शाखा बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में

खेल संवाददाता

लखनऊ। एलपीएससी आम्रपाली योजना व वृंदावन शाखा की टीमों ने एलपीएससी क्राउन इंटर ब्रांच हैंडबॉल टूर्नामेंट में बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। लखनऊ जिला हैंडबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेजस द्वारा सेक्टर ई आम्रपाली योजना शाखा में आयोजित दो दिवसीय टूर्नामेंट में एलपीएससी की बालिका वर्ग में छह और बालक वर्ग में नौ टीमें भाग ले रही हैं।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डा आनन्देश्वर पाण्डेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच मोहम्मद



तौहीद भी मौजूद रहे। समारोह में अतिथिगण का स्वागत लखनऊ पब्लिक कॉलेज प्रधानाचार्या कहकशां अयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर लखनऊ जिला हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव डा सुमंत पाण्डेय, आम्रपाली योजना शाखा की एचओडी सुष्मा सिंह और मुख्य कोच शिवायच व नेहा भी मौजूद रहे।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने मनाया शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती

अमनलेखनी समाचार

सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पटवध स्थित जिला कार्यालय पर आज महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती जिला सचिव आर.के. शर्मा के नेतृत्व में मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह के विचारों और संघर्ष को याद करते हुए जनहित एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहिद ए आजम भगत सिंहा अयुक्त इलाके के पश्चात पार्टी कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर निकल कर देश के करोड़ों वोटरों के साथ की गई साजिश के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त इलाहाबाद को बख्शस्त करो और ज्ञानेश कुमार को जेल भेजो के नारे लगाते वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर प्रतिवाद करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। वक्ताओं

कूड़ा डालने का विरोध पड़ा भारी बेटी संग पिता को लाठियों से पीटा

अमन लेखनी समाचार
मोहनलालगंज: रास्ते में कूड़ा डालने का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया आरोप है कि विरोध से बौखलाए दबंगों ने पिता और उसकी पुत्री पर लाठी-डंडों व गुमों से हमला बोल दिया बीच सड़क हुई मारपीट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी पुलिस ने छह नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कोतवाली क्षेत्र के सुलसामऊ हिल्ली गांव निवासी संत प्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात करीब नौ बजे गांव के रास्ते पर कूड़ा डालकर आवागमन बाधित किया जा रहा था विरोध करने पर आरोप है कि कंधई अमरीश रजनीत सतीश रमेश और भगवानदीन एक राय होकर लाठी-डंडों व गुमों से हमला करने लगे शोर सुनकर बचाव में पहुंची उसकी पुत्री को भी नहीं बख्शा गया और उसके साथ थी मारपीट की गई पीड़ित का आरोप है कि जाते-जाते आरोपित गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।मोहनलालगंज पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसी से विवाद होने पर युवक ने फांसी लगाई

अमनलेखनी समाचार

चित्रकूट- थाना मानिकपुर पर सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गढ़चपा मजरा पतेरिया निवासी एक 22 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगा ली गई है। सूचना पर थाना मानिकपुर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर शव का पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हेतु मोचरी भेजा गया। -
आज दिनांक 28.09.2026 को परिजनों द्वारा एक तहरीर दी गई है जिसमें उनके द्वारा आरोप लगाया गया है कि जुलाई माह में उनके मृतक पुत्र के विरुद्ध थाना मानिकपुर में मु0अ0सं0 108/2026 धारा 352, 351(3) इटर व 3(1)दरर/रळ अुरू का अभियोग पंजीकृत किया गया था, जिसके दबाव में वह मानसिक तनाव में था। दिनांक 25.09.2026 को वही काम से घर लौटा था और उस दिन घर के बगल के कुछ लोगों से उसका विवाद हुआ था, इन्हीं सब बातों से आहत होकर उसने फांसी लगा ली। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना मानिकपुर पर मु0अ0सं0 155/26 धारा 108, 352, 351(3) इटर का अभियोग पंजीकृत किया गया है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सोनभद्र में कांग्रेस का पददर्शन,ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी, पुतला दहन रोकने पर पुलिस से हुई नोकझोंक

अमनलेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमटी सोनभद्र के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक पैदल विरोध मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में पुतला दहन का प्रयास किया, जिसे पुलिस प्रशासन ने रोक दिया। पुतला दहन को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच छीना-झपटी भी हुई। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने अपर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा उठाए गए ह्मवोट चोरीह्म के मुद्दे की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से पात्र नागरिकों के नाम हटाए जाने के मामले में उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग की। शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संस्था की निष्पक्षता बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साथ मिलकर मजबूत बनेंह्म की थीम पर रेबीज से बचाव एवं रोकथाम के प्रति किया गया जागरूक

अमनलेखनी समाचार

सोनभद्र। विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद के कृति नर्सिंग पैरामेडिकल महाविद्यालय, राबटर्सगंज में रेबीज के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ह28 सितम्बर विश्व रेबीज दिवस-2026ह्म की थीम ह्मसाथ मिलकर मजबूत बनेंह्म के अंतर्गत किया गया। इसमें नर्सिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभागियां। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम डॉ. प्रेमनाथ ने रेबीज रोग के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने रेबीज की गंभीरता, संक्रमण के कारणों तथा रोग से बचाव एवं रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को कुत्ते अथवा अन्य

झाँसी / हमीरपुर

अफवाहों पर लगाम, त्योहारों पर अमन का संदेश; कासिमपुर थाने में हुई अहम बैठक



अमनलेखनी समाचार

ज्ञानेश कुमार के सवाल को लेकर राबटर्सगंज के बड़ौली चौराहे पर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख रूप से आर.के. शर्मा, देव कुमार विश्वकर्मा, राजेंद्र प्रसाद, अमरनाथ, बसावन गुप्ता, अमरनाथ बिंद, चंदन प्रसाद, नागेंद्र कुमार, जगबंधन गोंड, रामविलास कोल, लक्ष्मण भुइयां, मंगरी देवी, फुलमती व मोहम्मद मुस्तफा सहित दर्जनों की संख्या में भाकपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनभद्र विकास समिति और उफ संस्था ने 'टिंग टोंग' वीडियो से बच्चों को साइबर खतरों के प्रति किया जागरूक

अमनलेखनी समाचार

सोनभद्र।जनपद के बच्चों को इंटरनेट के बढ़ते खतरों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए सोनभद्र विकास समिति और सहयोगी संस्था उफ (चाइल्ड राइट्स एंड यू) के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे 'ऑनलाइन सुरक्षा अभियान' के तहत आज कंपोजिट विद्यालय अमौली में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को विशेष 'टिंग टोंग' वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया के साइबर उपयोग, निजता की सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचने के तौर-तरीके सिखाए गए। इस अभियान के तहत अब तक राबटर्सगंज, चतरा, घोरावल और नगवा ब्लॉक के विभिन्न ग्रामीण व जनजातीय अंचलों के 237 बच्चों और उनके 148 परिवारों को सीधे तौर पर जागरूक किया जा चुका है। इसके साथ ही, इस अभियान के अंतर्गत संस्था के कार्य क्षेत्र स्कूलों के 530 बच्चों और उनके 148 परिवारों को सीधे तौर पर जागरूक किया जा चुका है। इसी संस्था ही, इस अभियान के अंतर्गत संस्था के कार्य क्षेत्र स्कूलों के 530 बच्चों की भी अलग से डिजिटल साक्षरता और सुरक्षात्मक उपायों से जोड़ा गया है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका दीपमाला वर्मा ने

कुरौनी में दहा बुजुर्ग विधवा का आशियाना, खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

बारिश बनी आफत: बुजुर्ग विधवा का कच्चा मकान गिरा, आवास की लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बीते दिनों तीन दिन लगातार हुई बारिश के बाद सरोजनीनगर ब्लॉक के कुरौनी गांव में एक बुजुर्ग विधवा महिला का कच्चा और जर्जर मकान ढह गया। मकान गिरने के बाद महिला घर के बाहर खुले में टीन के नीचे रहने को मजबूर है। उसके सामने अब छत बनवाने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। बंधरा थाना क्षेत्र के कुरौनी गाँव निवासी विधवा महिला चंद्रा देवी (75) के मुताबिक उनके पति सुन्दर लाल तिवारी की करीब दस वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। वह अपने 40 वर्षीय इकलौते



अविवाहित बेटे सरोज के साथ रहती है। सरोज बोलने में हकलापन की समस्या से ग्रसित है, जिसके चलते उसे कोई स्थायी रोजगार नहीं मिल पाता है। ऐसे में परिवार के सामने रहने और खाने का संकट बना हुआ है। महिला ने बताया कि बारिश के बाद उसका

हुनर ने बढ़ाया आत्मविश्वास



15 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा महिलाओं को मिले प्रमाण-पत्र, स्वरोजगार अपनाने का आह्वान

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र लखनऊ एवं जननायक सुजोत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय कौशल सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को पाण्डेय कॉम्प्लेक्स में समापन हो गया इस दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया प्रशिक्षण में समापन हो गया इस दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया प्रशिक्षण में समापन हो गया इस दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए इस अवसर पर औद्योगिक सहकारी पर्यवेक्षक जितेंद्र नाथ शुक्ला विपिन यादव सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बजाय इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय रहते मिलने पर पुलिस प्रभावी कार्रवाई कर सकती है। आगामी त्योहारों और आयोजनों को देखते हुए पुलिस ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। साथ ही सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि के किसी भी सामग्री को साझा न करने की हिदायत दी गई। बैठक में अतिरिक्त निरीक्षक प्रेमपाल सिंह और हेड कॉन्स्टेबल जयकरन कशतादा समेत क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।



अभिभावकों और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट शिक्षा के लिए जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक बच्चों को इसके खतरों से बचाना भी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे घर पर बच्चों को मोबाइल देते समय सतर्क रहें और उनके साथ दोस्ताना माहौल बनाएं ताकि किसी भी ऑनलाइन परेशानी की स्थिति में बच्चे बिना डरे अपनी बात साझा कर सकें। इस अवसर पर संस्था की कार्डसलर साधना सिंह द्वारा भी महत्वपूर्ण जानकारों दी गई। उन्होंने बच्चों को साइबर बुलीइंग (ऑनलाइन मानसिक प्रताड़ना), ऑर सोशल मीडिया रूबिंग से निपटने के मनोवैज्ञानिक तरीके सिखाए। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया

कि ऑनलाइन किसी भी संदिग्ध गतिविधि या धोखे का सामना होने पर वे खुद को दोषी न मानें और चुप रहने के बजाय तुरंत अपने शिक्षकों और माता-पिता को सूचित करें। सोनभद्र विकास समिति के सचिव राजेश चौबे ने बताया कि गाँवों के स्कूलों में किशोर-किशोरियों को 'डिजिटल सुरक्षा चैपियन' के रूप में तैयार किया गया है, जो अपने हम उम्र साथियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में संस्था के फोल्ड कार्यकर्ता रिमा देवी, रेखा देवी, अमरजीत, रीना शर्मा, दिनेश कुमार और सुनीता द्वारा स्कूलों और ग्रामीण समुदायों में निरंतर सहयोग दिया जा रहा है।

कच्चा मकान पूरी तरह ढह गया। घर गिरने से घरेलू सामान भी प्रभावित हुआ है और परिवार को खुले में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपने स्तर से मकान की मरम्मत या दोबारा निर्माण कराने में असमर्थ है। महिला ने 1076 सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करारक ग्रामीण आवास के माध्यम से प्रशासन से मदद की मांग की है। उसने अधिकारियों से प्रधानमंत्री आवास योजना या अन्य सरकारी योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने तथा तत्काल राहत दिलाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने और पीड़ित महिला को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।

बंधरा में नगवा नाले का कहर, कॉलोनी और गांव में घुसा पानी, दहशत में लोग

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंधरा क्षेत्र में गुजर रहे नगवा नाले में मंगलवार को अचानक जल स्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। स्थिति यह कि नाले का पानी बंधरा नगर पंचायत की डेस्टिनी कॉलोनी और सरोजनीनगर ब्लॉक के दादूपुर ग्राम पंचायत के कुछ घरों तक पहुंच गया। अचानक जलस्तर बढ़ने से इसकी चपेट में आए घरों के लोग दहशत में आए गे। उन्होंने स्थानीय जन प्रतिनिधियों के अलावा तहसील अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अचानक जलभराव की सूचना मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष रामावती के प्रतिनिधि रंजीत रावत और अधिशासी अधिकारी श्वेता सिंह मौके पर पहुंचीं। साथ ही विधायक प्रतिनिधि राजेश त्रिपाठी और उनकी टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सूचना पर नायब तहसीलदार सरोजनीनगर सत्यम, लेखपाल कुमार सौरभ, सत्येंद्र यादव और अमिता सहित राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। बाद में एसडीआरएफ को



सूचना दी गई। इसके बाद राहत और बचाव के लिए एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया है। वहीं सीएचसी सरोजनीनगर के स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की जांच शुरू कर दी। साथ ही प्रभावित परिवारों के ठहरने के लिए नगर पंचायत की ओर से सामुदायिक भवन खुलवाया गया है। यहां शौचालय सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्रशासन की ओर से लोगों को पेयजल की बोतलें

और बिस्किट वितरित किए गए। साथ ही पानी के लिए टैंकर भी लगाया गया है। इसके अलावा दस अस्थायी शौचालय बनाने की तैयारी है। वहीं शाम को प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ सामुदायिक रसोई शुरू करने की तैयारी कर दी गई है। जबकि नाले की सफाई और पानी की निकासी का काम तेजी से कराया जा रहा है। वहीं नगवा नाले का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर निगरानी कर रहे हैं।

दो दिन पहले छलांग की चर्चा, अब सई में बहता मिला युवक का शव

भंवरेश्वर मंदिर के पास शव दिखने से मचा हड़कंध ग्रामीणों में चचाओं का बाजार गर्म: पुलिस बोली- शिनाखा और जांच के बाद ही साफ होगी तस्वीर

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। सई नदी ने मंगलवार दोपहर ऐसा मंजर दिखाया जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया भंवरेश्वर मंदिर के पास तेज बहाव में एक युवक का शव बहता दिखाई दिया नदी में बहते शव पर सबसे पहले श्रद्धालुओं और राहगीरों की नजर पड़ी तो मौके पर अफरा-तफरी मच गई देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर नदी किनारे जुट गए कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो भी बना लिया लेकिन तेज बहाव के कारण शव कुछ ही दूर में उन्नाव की दिशा में बह गया।

दो दिन पहले की छलांग की घटना फिर आई चर्चा में

शव मिलने के साथ ही रविवार को जबरैला पुल से एक युवक के सई नदी में छलांग लगाने की सूचना फिर चर्चा का विषय बन गई उस दिन राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी

उत्तर प्रदेश विधान परिषद खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 हेतु नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न

अमनलेखनी समाचार

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वि0/र0) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद खण्ड स्नातक (05) एवं खण्ड शिक्षक (06) निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन- 2026 के संबंध में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/र0) ने निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नामित नोडल अधिकारियों को उनके कार्य व दायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी सभी प्रकार की सूचनाओं के सुचारु संचालन एवं कन्ट्रोल रूम प्रबंधन हेतु विनीत कुमार सिंह (जिला कार्यक्रम अधिकारी, सोनभद्र) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके प्रमुख कार्य शिकायत प्रबन्धन, कन्ट्रोल रूम को 24 घंटे आपरेंट कराना, 3 शिफ्टों में कर्मचारीयों को तैनाती कराना, कन्ट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों को रजिस्टर तैयार दर्ज करना तथा सम्बन्धित विभागों को प्रेषित कर उनसे अनुपालन रिपोर्ट तैयार करना है। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचन व्यय के अनुवीक्षण, लेखा-जोखा और विविध भुगतानों के पर्यवेक्षण हेतु इन्द्रभान सिंह (वरिष्ठ कोषाधिकारी, सोनभद्र) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सम्पन्न समाचार पत्रों/टीवी/रेडियो/केबिल के

मानक रेट निर्धारित कराना, सहायक व्यय प्रेक्षकों एवं व्यय मॉनीटरिंग दल का प्रशिक्षण कराना, आयकर विभाग के साथ बैठक आयोजित करना, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सामग्री/आइडम्प्ट की दरों का निर्धारण कराना, व्यय अनुवीक्षण हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित दरों की जानकारी राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों को सूचित करना, प्रत्याशियों के साथ व्यय अनुवीक्षण संबंधी बैठक आयोजित करना, सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट, शासकीय हल्के के ड्राइवरों आदि को मानदेय/यात्रा भत्ता उपलब्ध कराना। क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराने एवं कानून- व्यवस्था बनाए रखने हेतु वागीश कुमार शुक्ला त्रअपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)ब, सोनभद्र को नोडल अधिकारी बनाया गया है। आदर्श आचार संहिता (ट.उ.उ.) का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराना, क्षेत्र में अवैध शराब, अवैध शस्त्रों की तस्करी एवं गैर-जमानती वारंटों (ठडहर) के निषादनों पर सख्त नजर रखना, आयकर विभाग तथा आबकारी विभाग के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करना, शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163/167 (पुर्व) में उशदउ 144) के अंतर्गत आवश्यक अतिरिक्त निर्गत कराना, शस्त्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन/ले जाने पर प्रतिबंध लगाता तथा शस्त्रों को जमा कराने की प्रक्रिया पूरी कराना। मीडिया सर्टिफाइंग मॉनिटरिंग कमटी (ट.उ.ट.उ.) फ्रिट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया पर

विज्ञापनों तथा समाचारों के अनुवीक्षण हेतु शोधित यादव अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), सोनभद्र, को नोडल अधिकारी/प्रभारी नामित किया गया है।पेड न्यूज पर पैनी निगाह रखना, पेड न्यूज एवं सोशल मीडिया से जुड़े मामलों का निस्तारण कराना, पेड न्यूज से संबंधित रिपोर्ट एवं आंकड़े लेखा टीम को उपलब्ध कराना।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्धरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com





स्त्री के स्वतंत्र-सशक्त अस्तित्व के समर्थक महात्मा गांधी

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

महात्मा गांधी हमेशा समाज का उत्थान और समानता का परिवेश बनाने के इच्छुक रहे। समाज के हर नागरिक को सुरक्षा और मान,

यह बात उनके विचारों में प्रमुखता से रही। यह दृष्टिकोण हर तरह से महिलाओं की बेहदरी और भागीदारी बढ़ाने से भी जुड़ा है। यही वजह है, खियों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। असमानता, असुरक्षा और हिंसा के परिवेश में न केवल महिलाओं से जुड़े उनके विचारों को समझने की दरकार है बल्कि स्वयं खियों के सशक्तिकरण में भी उनके सार्थक विचार दिशा दे सकते हैं। स्त्री मन से भाव-चाव को सम्मान देने के हिमायती बापू के सद्विचारों में खियों की पीड़ा और आशाओं को भी जगह मिली है। गांधी जी का कहना था कि महिलाओं के बिना सभ्य समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह महत्वपूर्ण कथन पूरी मानवता को थामने की बुनियाद बनाने की बात लिए है।

लैंगिक भेदभाव का विरोध

महात्मा गांधी के विचार महिला-पुरुष के बीच भेदभाव के बिल्कुल खिलाफ थे। वे लैंगिक भेदभाव को समाज का बंटवारा करने वाले बताव की तरह देखते थे। असल में बापू सदा से ही सर्वोदय यानी समग्र विकास को सोच को लेकर आगे बढ़े। ‘यूनियर्सल अपलिफ्टमेंट’ के इस विचार में पूरे समाज की उन्नति की बात की गई। उनका सभी का कल्याण और सभी की तरक्की का विचार अहम रहा। इसीलिए बापू का मानना था ‘महिला और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं समझा जाना चाहिए, वे सिर्फ शारीरिक तौर पर एक-दूसरे से भिन्न हैं।’ तकलीफदेह यह है कि उनके इस विचार से आया बदलाव आज तक नाकाफी है। समाज में महिलाएं कई तरह के भेदभाव का शिकार हो रही हैं। जरूरी है कि उनके समानता को बल देने वाले इस प्रेरक विचार को समग्र समाज समझे और अपनाए। बापू के शब्दों में ‘पत्नी, पति की गुलाम नहीं, बल्कि एक साथी और मददगार है, जो उसके सुख-दुःख में बराबर की भागीदार होने के साथ-साथ पति के समान ही अपने रास्ते स्वयं चुनने के लिए भी स्वतंत्र है।’ हालांकि हमारे संविधान में भी महिलाओं को पुरुषों के समान ही अधिकार दिए गए हैं, लेकिन सच यह भी है कि इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। घर हो या बाहर, महिलाओं को हर जगह आज भी दोयम दर्जे

पर ही रखा जाता है। बहुत-सी महिलाएं अपने मानवीय हक हासिल करने को संघर्ष कर रही हैं। स्त्री होने भर से बहुत तकलीफें उनके हिस्से हैं। जबकि महात्मा गांधी सदा से ही घर-परिवार और समाज में समानता की स्थितियां बनाने के पक्षधर रहे हैं।

हर मोर्चे पर अहम भूमिका

महात्मा गांधी ने खियों को हर मामले में सबला माना है। उनकी हिम्मत को सराहा है। इसीलिए बापू ने प्रश्न किया कि नारियों का संसार केवल घर तक ही सीमित क्यों? असल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बरसों पहले ही रूढ़िवादी समाज में महिलाओं की घुटन को महसूस कर लिया था। खियों के मन और जीवन की बाँदियों को जान लिया था। बापू चाहते थे कि



हर स्त्री अपना जीवन संपूर्णता से जिए। बापू मानते थे कि देश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान में महिलाओं का मौका देना चाहिए। वे लड़कियों को तालों में बंद रखने में विश्वास नहीं करते थे। शायद यही वजह थी कि बापू ने महिलाओं से देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का भी आग्रह किया था। बापू के ये विचार इतने वर्ष बीत जाने के बाद हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि उन्होंने हमेशा महिलाओं को असहाय की छवि से न केवल बाहर निकालने की कोशिश की बल्कि उनमें सामाजिक विषमताओं और विद्वेषताओं से लड़ने की आशावादी सोच को भी काफ़ी जागृत किया।

सहशिक्षा के समर्थक

महात्मा गांधी सहशिक्षा के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि लड़के-लड़कियों को साथ पढ़ने और मिलने-जुलने का मौका देना चाहिए। वे लड़कियों को तालों में बंद रखने में विश्वास नहीं करते थे। शायद यही वजह थी कि बापू ने महिलाओं से देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने का भी आग्रह किया था। बापू के ये विचार इतने वर्ष बीत जाने के बाद हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि उन्होंने हमेशा महिलाओं को असहाय की छवि से न केवल बाहर निकालने की कोशिश की बल्कि उनमें सामाजिक विषमताओं और विद्वेषताओं से लड़ने की आशावादी सोच को भी काफ़ी जागृत किया।

महात्मा गांधी का मानना था कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। वे सिर्फ ऐसा मानते ही नहीं थे, स्त्री-पुरुष में भेदभाव के भी विरोधी थे। उनका कहना था कि महिलाएं हर तरह के कार्य करने में सक्षम हैं। वे यह भी मानते थे कि देश-समाज को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं को भी आगे आना होगा।

कुरीतियों के खिलाफ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार रूढ़िवादी सोच के विरुद्ध रहे। उनका कहना था, ‘केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है। सामाजिक बुराईयों और कुरीतियों से भी समाज का मुक्त होना जरूरी है।’ असल में पुरातनपंथी विचार समाज में नकारात्मकता भरते हैं। सामाजिक-पारिवारिक सिस्टम को भीतर से खोखला करते हैं। खासकर महिलाओं के लिए तो रूढ़ियां, सहज जीवन में भी बाधा बन जाती हैं। ऐसे में गांधीजी का मानना था कि जब तक सामाजिक कुरीतियों का खात्मा नहीं हो जाता, महिलाओं के जीवन में सुधार लाने के प्रयास सफल नहीं हो सकते। दहेज प्रथा को समाप्त करना ही होगा। विवाह में एकमात्र सम्मानजनक आधार परस्पर प्रेम और परस्पर स्वीकृति होती है। समाज में प्रचलित कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी आवाज उठाई ताकि महिलाओं के शोषण को रोका जा सके। बापू बाल विवाह और पर्दा प्रथा के भी विरुद्ध रहे। विधवा पुनर्विवाह को खुलकर समर्थन दिया। उनके अनुसार ‘किसी भी समाज की कुरीतियां तब तक समाप्त नहीं हो सकतीं, जब तक देश के युवा सामने न आए।’ देखने में भी आया है कि बहुत से बदलाव युवाओं की प्रतिबद्धता से ही आए हैं। गांधी जी का यह भी कहना था कि स्वयं महिलाएं कुरीतियों से निजात पाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस दौर में ये विचार न केवल प्रासंगिक बल्कि व्यावहारिक भी हैं। बस जरूरत इस बात कि है, इन बुराईयों का प्रतिकार करने की क्षमता विकसित करें।

नैतिक सामर्थ्य में आगे स्त्री

महात्मा गांधी का कहना था, ‘यदि शक्ति का मतलब नैतिक बल है, तो स्त्री, पुरुष से श्रेष्ठ है।’ बापू का विजन मानवीय मूल्यों के मामले में बिल्कुल स्पष्ट रहा। उन्होंने महिलाओं को अधिक मर्यादित और नैतिक माना। वे महिलाओं के अधिकारों के तो पैरोकार रहे ही, उनकी सार्थक अनुभूतियों की सराहना भी करते थे। महात्मा गांधी ने कहा था, ‘स्त्री अहिंसा का अवतार है। जिसका अर्थ ही अगाध प्रेम और सहनशीलता है।’ मां के रूप में एक स्त्री की इस क्षमता और गुणों को देखा जा सकता है। साथ ही परिवार और समाज के लिए भी महिलाओं का समर्पण कम नहीं होता। महिलाओं को जीवन की हर पवित्र एवं धार्मिक धरोहर की मुख्य संरक्षक मानने वाले महात्मा गांधी स्वयं भी उनके प्रति बहुत संवेदनशील रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में भी महिला लीडरशिप को महत्व देने वाले बापू का मानना था कि संसार को विनाश से बचाकर सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलना है, तो महिलाओं को अपने नैतिक बल को पहचानकर समाज का नेतृत्व करना होगा।

तकनीक आज कई बुजुर्गों के लिए अकेलेपन का साथी बन गया है। वीडियो कॉल और सोशल मीडिया उन्हें अपनों से जोड़े रखते हैं, लेकिन इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ता है। बुजुर्गों को डिजिटल सपोर्ट के साथ अपनेपन का एहसास देना भी जरूरी है।

डिजिटल सपोर्ट के साथ ही बुजुर्गों को दें अपनेपन का एहसास

दायित्व

अलका ‘सौनी’

आज डिजिटल दुनिया ने हम सब के जीवन को बदल कर रख दिया है। यह बदलाव बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के जीवन में देखने को मिलता है। इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक के इस्तेमाल ने बुजुर्गों के जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान और अपनों से जोड़ दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वे अपने से दूर रहने वाले परिवार से जुड़े रह सकते हैं, अपना समय भी आसानी से बिता सकते हैं। अपनों के साथ वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, मैसेज, सब कुछ बस एक क्लिक में उन्हें मिल जाता है। देखा जाए, तो बुजुर्गों के अकेलेपन का साथी बन गया है स्मार्टफोन। लेकिन यह सुविधा धीरे-धीरे एक निर्भरता में बदलती जा रही है, जो उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डाल रही है।

स्क्रीन का साथ पर अपनों से दूरी: वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत बुजुर्ग आज घर में अकेलेपन का अनुभव करते हैं। उनमें से 60 प्रतिशत से अधिक वरिष्ठ नागरिक प्रतिदिन 3-5 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। तकनीक ने बुजुर्गों को दुनिया से दोबारा जोड़ा जरूर है, लेकिन यह एक नई तरह की ‘डिजिटल दुविधा’ का युग भी है, जहां साथ होते हुए भी अकेलापन गहरा होता जा रहा है, जो उन्हें कई तरह से प्रभावित करता है।

अकेलेपन में तकनीक का बढ़ता सहारा: बढ़ती उम्र के साथ जब सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलापन बढ़ता है, तब तकनीक एक सहारा बनकर सामने आती है। जब बुजुर्गों की अपने बच्चों के साथ दूरी बढ़ जाती है, तब उनके लिए समय काटना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे स्वाभाविक रूप से डिजिटल माध्यमों की ओर आकर्षित होते हैं। मोबाइल फोन उनके लिए न केवल समय बिताने का साधन बनता है, बल्कि एक तरह का भावनात्मक सहारा भी बन जाता है। हालांकि यह जुड़ाव अधिकतर आभासी होता है, जिसमें वास्तविक बातचीत और आत्मीयता की कमी रहती है। परिणाम स्वरूप, अकेलापन कम होने के बजाय कई बार और गहरा हो जाता है।



स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव: बुजुर्गों में उम्र आधारित स्वास्थ्य समस्याएं पहले से चल रही होती हैं। फिर लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सूखापन, जलन, धुंधलापन और सिरदर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ ही, मोबाइल से निकलने वाली ब्लू लाइट, नींद के चक्र को प्रभावित करती है, जिससे नींद का समय और इसकी गुणवत्ता घट जाती है। मानसिक स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है, जैसे चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और धीरे-धीरे

सामाजिक गतिविधियों में रुचि का कम होना।

संतुलित उपयोग है जरूरी: तकनीक से पूरी तरह दूरी बनाना संभव नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसका उपयोग सीमित और उद्देश्यपूर्ण हो। जिसके लिए एक नियमित दिनचर्या बनाना, स्क्रीन टाइम

तय करना, परिवार के साथ समय बिताना और ऑफलाइन गतिविधियों जैसे टहलना, पढ़ना या बागवानी में भाग लेना, इस संतुलन को बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

फैमिली मेंबर्स की भूमिका महत्वपूर्ण: परिवार के सदस्यों का फर्ज बनता है कि वे अपने बुजुर्गों को वास्तविक संवाद और साथ का अनुभव कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी है, अन्यथा यह बुजुर्गों के जीवन में जुड़ाव की जगह अलगाव को बढ़ा सकती है। तकनीक सुविधा का माध्यम है, जीवन का केंद्र नहीं। इसलिए आवश्यक है कि बुजुर्गों के जीवन में डिजिटल और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन बना रहे। यह समझना जरूरी है कि बुजुर्गों को तकनीक के सपोर्ट के साथ अपनों का समय और साथ भी चाहिए।



सलाह

रैतन्वा

बीते दिनों राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में एक तीन साल का बच्चा फ्लैट की 12वीं मंजिल की बालकनी से गिर गया। कुर्सी पर चढ़कर खेलते हुए मासूम का संतुलन बिगड़ने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के वक्त मां उसे छोड़कर अपने दूसरे बच्चे को ट्यूशन से लेने गई थी। मां जब गई तब छोटा बच्चा घर में सो रहा था। मां के जाने के बाद बच्चा जाग गया और खेलते-खेलते बालकनी तक पहुंच गया। वहां रखी कुर्सी पर चढ़कर वह नीचे देखने लगा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और यह दुःखद हादसा हुआ।

जरूरी है नेबरहुड का सहयोगी परिवेश: असल में यह दुर्घटना बीते दौर में मिलने वाले आस-पड़ोस के साझे-सहारे की याद दिलाती है। कुछ समय के लिए छोटे बच्चों को संभाल लेने वाले उस पड़ोसी परिवेश का महत्व समझाती है, जब बच्चों की परवरिश के मामले में पड़ोस भी परिवार के समान ही सहायक हुआ करता था। थोड़ी-बहुत देर के लिए तो आस-पास रहने वाले बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की सुरक्षा के साझेदार बन जाते थे। अब रीतते जुड़ाव को सामने रखते हादसे हमें उस सहज से सहारे से मिलने वाले खास संबल की याद दिलाते हैं। छोटे होते परिवारों के इस दौर में नेबरहुड के सहयोगी परिवेश को बनाए रखना आवश्यक है।

मेल-मिलाप बनाए रखें: सहज मेल-मिलाप के बिना आस-पड़ोस में मदद नहीं मांगी जा सकती। ना ही कोई पड़ोसी खुद मदद का हाथ आगे बढ़ा सकता है। आपसी बातचीत के बिना सहयोगी माहौल नहीं बन सकता। इसीलिए आस-पड़ोस से जुड़ाव रखने के लिए छोटी-छोटी पहल दोनों ओर से ही होनी चाहिए। मिलने पर अभिवादन करना और संवाद का सिलसिला शुरू करना

आधुनिक जीवनशैली में महानगरों में लोग आस-पड़ोस से कम वास्ता रखते हैं। समाज में इस तरह अपनेपन का रिश्ता ना होने से कई तरह के कष्टकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हमें अपने आस-पड़ोस से जुड़ाव रखना चाहिए।

आस-पड़ोस का जुड़ाव है हमारे लिए बड़ा संबल



चाहिए। फोन नंबर शेयर करें। पर्व-उत्सव पर मिठाइयां बांटें। मिलकर त्योहार मनाएं। जरूरी नहीं कि आप आस-पड़ोस में बसे लोगों के हालचाल लेने का काम किसी घटना के होने या परेशानी में फंसने के बाद करें, रोजमर्रा में भी एक-दूजे के हालचाल लेते रहें। मेलजोल का यही धरातल जरूरत के समय पर मदद मांगने और करने की सहजता देता है। पड़ोसी के सहयोगी बनें: कितनी ही घटनाओं को लेकर स्पष्ट महसूस होता है कि थोड़ी-सी सहायता से मुसीबत टल सकती थी। किसी पड़ोस से बचा जा सकता था। किसी बच्चे या बुजुर्ग के लिए सुरक्षा का घेरा बनाया जा सकता था। ध्यान रहे कि सामाजिक परिवेश में सतर्कता, सावधानी और सहयोग से ही बहुत-सी तकलीफदेह घटनाओं को रोका जा सकता है। इसीलिए आस-पड़ोस के परिवार न केवल मजबूत और सुरक्षित सामाजिक माहौल बनाएं, बल्कि संकट के समय मदद के लिए भी तैयार रहें। साझे जीवन की सामुदायिक भावना

को बल दें। नए शिफ्ट होने वाले लोगों से खुद आगे बढ़कर बात करें। उनसे बेहिचक मदद मांगने को कहें। आस-पड़ोस में आ बसे नए परिवार को उस एरिया के बारे में जानकारी दें। मोहल्ले या सोसाइटी में उपलब्ध सुविधाओं की चर्चा करते हुए उन्हें असुरक्षा से जुड़ी किसी बात के लिए भी सचेत करना चाहिए। औपचारिकता की अति से बचें: बदलती जीवनशैली के इस दौर में अचानक जरूरत आने पर साथ देने वाले पड़ोसियों के संग भी अब अपनापन नहीं रहा। एक समय था जब भारतीय परिवेश में पड़ोस की भी परिवार माना जाता था। बाहर जाने पर घर का ध्यान रखने, थोड़े समय के लिए बच्चे-बुजुर्ग को संभाल लेने या हारी-बीमारी में सहायता के लिए परिजनों से पहले पड़ोसी ही पहुंचते थे। अब औपचारिकता इस अपनेपन को लील गई है। ऐसे में साझे समाज में रहने-जीने की सोच को बल देना होगा। ताकि न मदद मांगने में हिचक हो न हेल्प करने में कोई संकोच।

हेयर केयर

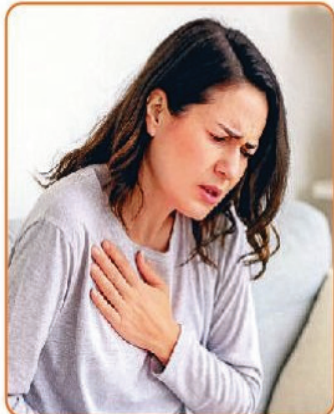
रत्नेश सिंह

आजकल की व्यस्त जीवनशैली में प्रदूषण, धूल-मिट्टी, खान-पान और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के अत्यधिक उपयोग के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं। इसके कारण बालों का झड़ना, बेजान होना, असमय सफेद होना और डैंड्रफ होना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बालों की प्राकृतिक चमक और मजबूती वापस पाने के लिए होममेड हेयर पैक कारगर हो सकते हैं। केला-शहद का हेयर पैक: यदि आपके बाल बहुत सूखे (ड्राय), रफ और बेजान हो गए हैं, तो केला और शहद का हेयर पैक आपके लिए बहुत यूजफुल है। केले में पोटेशियम, प्राकृतिक तेल और विटामिनस होते हैं, जो बालों को टूटने से रोकते हैं। जबकि शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट (नमी बनाए रखने वाला) है, जो हवा से नमी को

मेडिकल एडवाइस

डॉ. विकास कटारिया
सीनियर काईडोलॉजिस्ट
होली फैमिली हॉस्पिटल, दिल्ली

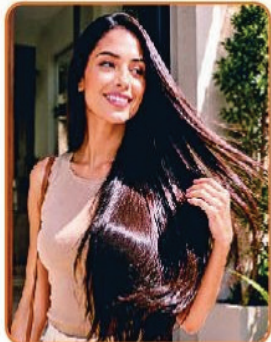
बदलती जीवनशैली ने पुरुषों के समान महिलाओं के लिए भी हार्ट डिजोज का खतरा बढ़ा दिया है। कभी बढ़ती उम्र की महिलाओं में अधिक दिखने वाली हार्ट डिजोज अब कम उम्र में भी दस्तक दे रही है। हालांकि, जागरूकता, नियमित जांच और समय रहते जीवनशैली में बदलाव करके हृदय रोग के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। क्या है कारण: अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट्स और फैमिली हिस्ट्री इसके मूल कारण होते हैं, जिनसे हाइपरटेंशन, कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं होती हैं। इनके अलावा महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक पुरुषों से अलग होते हैं। गर्भावस्था में होने वाली जटिलताएं जैसे- प्री-एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह (जेस्टेशनल डायबिटीज) और समय-पूर्व प्रसव भविष्य में हृदय रोग के खतरे को बढ़ा देते हैं। समय से पहले रजोनिवृत्ति (प्रीमैच्योर मेनोपॉज), पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) तथा ल्यूपस व रुमेटॉइड



आर्थराइटिस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियां भी महिलाओं में हृदय रोग का खतरा बढ़ाती हैं। मानसिक तनाव, अवसाद और घर-परिवार की देखभाल का अतिरिक्त बोझ भी महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण सामाजिक-मानसिक

यूज करें ये होममेड हेयर पैक आपके बाल बनेंगे शाइनी-स्ट्रॉन्ग

सोखकर बालों में लंबे समय तक बनाए रखता है। इस पैक को बनाने के लिए एक पका हुआ केला लें और उसे चम्मच या ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह मैश कर लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब इस पेस्ट में एक बड़ी चम्मच शुद्ध शहद और एक चम्मच नारियल का तेल



मिलाकर बढ़िया मिश्रण तैयार करें। इस हेयर पैक को बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक समान रूप से लगाएं। इसे 40 से 45 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें और फिर

गुनगुने पानी और माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इससे बाल शाइनी बनते हैं। मेथी-दही का हेयर पैक: मेथी के दाने बालों का झड़ना रोकने के लिए सदियों से इस्तेमाल किया जाता रहा है। मेथी में प्रोटीन और निकोटीनिक एसिड होता है, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और हेयर ग्रोथ बढ़ाता है। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो सिर की त्वचा (स्केल्प) को साफ रखता है। इस पैक को बनाने के लिए तीन बड़ी

हार्ट डिजीज का रिस्क सिर्फ पुरुषों या वृद्ध महिलाओं को ही नहीं होता, ऐसे में लक्ष्णों को पहचानना और समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। वर्ल्ड हार्ट डे (29 सितंबर) के मौके पर हम बता रहे हैं, किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉपर केयर कर सकती हैं?

हेल्दी हार्ट के लिए करें रेग्युलर-प्रॉपर केयर

कारक माने गए हैं। क्या होते हैं लक्षण: महिलाओं में हार्ट अटैक होने पर केवल तेज सीने का दर्द ही दिखाई दे, यह जरूरी नहीं। महिलाओं में सांस फूलना, मितली या उल्टी, अत्यधिक थकान, पीठ या जबड़ में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या ठंडा पसीना आए, बेचैनी जैसे लक्षण अपेक्षाकृत अधिक दिखाई दे सकते हैं। सीने के बीच में दर्द या दबाव, हाथ या कंधे में दर्द, सांस लेने में परेशानी, ठंडा पसीना, चक्कर या बेहोशी भी चेतावनी संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक की आशंका में तत्काल आपात चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है। ऐसे करें हार्ट केयर: दिल को स्वस्थ रखने की शुरुआत छोटी-छोटी आदतों से होती है। परिवार की देखभाल करने वाली महिला को अपनी सेहत की देखभाल को भी उतनी ही प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ दिल

चम्मच मेथी के दानों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखें। सुबह पानी छानकर मेथी को मिक्सी में पीसकर एक चिकना (स्मूद) पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा कप गाढ़ा दही मिलाकर इसे अच्छी तरह लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। आधे घंटे के बाद बालों को सामान्य पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से बालों के झड़ने की समस्या दूर होती है। आंवला-शिकाकाई और रीठा पैक: आजकल कम उम्र में आधा कप गाढ़ा दही मिलाकर इसे अच्छी तरह लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। आधे घंटे के बाद बालों को सामान्य पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से बालों के झड़ने की समस्या दूर होती है। आंवला पावडर, शिकाकाई पावडर और रीठा पावडर समान मात्रा में लोहे की कड़ाही में गुनगुने पानी के साथ मिक्स करके पेस्ट बना लें और पूरी रात लोहे के बर्तन में ही रहने दें। सुबह इसे बालों में अच्छी तरह लगाएं। 45 मिनट के बाद सादे पानी से बाल धो लें। जिस दिन पैक लगाएं, उस दिन शैंपू न करें।



केवल लंबी उम्र ही नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की नींव भी है। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं: एक सही दिनचर्या हेल्थ की मजबूत नींव होती है। सरकेडियन रिदम का पालन करें। रात को समय पर सोएं, समय पर खाना खाएं। रेग्युलर हेल्थ चेकअप कराती रहें। संतुलित आहार का करें सेवन: अधिक नमक, चीनी और ट्रांस-फैट खाद्य पदार्थों से बचें। आहार में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और स्वस्थ वसा शामिल करें। चाय-कॉफी का अत्यधिक सेवन और पैकेज्ड/जंक फूड हृदय पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इनसे बचें। तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें: योग, ध्यान, पर्याप्त नींद और अपनों से भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना मानसिक तनाव को कम करता है। प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाकर चलें। प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा